www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष –10 I अंक–273 I सागर, शनिवार 22 नवम्बर 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

नाश्ते में समोसा मिलने पर भड़के जनपद सदस्य, उपाध्यक्ष ने समझाकर शांत कराया — पृष्ठ 2

सिर्फ संत नहीं, विचार के लिए समर्पित थे
बिहार चुनाव : सवाल तो जीतने वालों पर भी हैं — पृष्ठ 4

25 से अधिक परिवारों का रास्ता बंद, लकड़ी के पुल से गुजरने को मजबूर — पृष्ठ 6

डॉ. हरीसिंह गौर एशिया के पहले दानवीर जिन्होंने पूरी निजी कमाई विवि बनाने दान में दी: भूपेन्द्र सिंह — पृष्ठ 8

सार-समाचार

मुख्यमंत्री आज हैदराबाद में करेंगे रोड-शो

दक्षिण भारत के उद्योगपतियों से निवेश पर होगा संवाद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए 22 नवंबर को हैदराबाद में 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' सत्र में दक्षिण भारत के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ संवाद करेंगे। यह सत्र उद्योग समूहों के लिए मध्यप्रदेश की नीतियों, आधारभूत संरचना और निवेश के अवसरों को जानने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैदराबाद में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश विस्तार, नई इकाइयों की स्थापना और विभिन्न सेक्टरों में दी जा रही सुविधाओं पर संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्रीनको मुख्यालय का भ्रमण करेंगे। साथ ही ग्रीनको समूह के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक भी होगी, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र में संभावित सहयोग और बड़े पैमाने के औद्योगिक निवेश पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसके बाद द लीला होटल में आयोजित मुख्य सत्र में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा करेंगे, जिनमें आईटी, आईटीआईएस, ईएसडीएम, बायोटेक, मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमई जैसे क्षेत्रों में निवेश योजनाओं और आगामी प्रोजेक्ट्स पर चर्चा होगी। सत्र में बायोटेक क्षेत्र पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण राउंड टेबल मीटिंग होगी। इसमें नवाचार आधारित उद्योगों और अनुसंधान-आधारित परियोजनाओं के लिए मध्यप्रदेश में बन रहे अनुकूल वातावरण पर विस्तृत चर्चा होगी। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह निवेशकों के समक्ष मध्यप्रदेश की उद्योग-हितैषी नीतियों, विकसित औद्योगिक कॉरिडोर, सेक्टर-आधारित क्लस्टर्स, औद्योगिक अधोसंरचना और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने के प्रयासों की जानकारी साझा करेंगे। उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि भी मध्यप्रदेश को लेकर अपनी अपेक्षाएँ और अनुभव साझा करेंगे।

भारत व श्रीलंका के बीच हुई सैन्य वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत व श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण वार्ता हुई है। इस वार्ता में सैन्य कमांडर्स ने दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करने व क्षेत्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की। यह भारत और श्रीलंका के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता थी। भारतीय सेना के मुताबिक यह तीन दिवसीय सैन्य वार्ता बोधगया में आयोजित की गई। तीन दिनों तक चली इन बैठकों में दोनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को और मजबूत करने, इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने, तथा क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की है।

पश्चिम बंगाल में कोई बिल पेंडिंग नहीं : राज्यपाल बोस

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सुप्रीम कोर्ट के गवर्नरों की विधायी शक्तियों और उनकी सीमाओं से जुड़े फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बैलेंस्ड नजरिया अपनाया है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि गवर्नर या भारत के राष्ट्रपति के लिए कोई टाइमलाइन तय नहीं की जा सकती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बैलेंस्ड नजरिया अपनाया है कि इसका मतलब यह नहीं है कि गवर्नर किसी फाइल पर अनिश्चित काल तक बैठे रह सकते हैं। इसकी देरी की कोई वजह होनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'एक और बात जो बंगाल के राज्यपाल के लिए बहुत खुशी की बात है, वह यह है कि तीन साल पहले हमने सरकार और विधानसभा के साथ बातचीत का प्रोसेस शुरू किया था। इसे भारत के सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी है।' राज्यपाल ने यह भी स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में कोई बिल पेंडिंग नहीं है।

कश्मीरियों को शक की निगाह से न देखा जाए : डॉ. फारूक

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि दिल्ली विस्फोट के बाद देशभर में कश्मीरियों को शक की निगाह से न देखा जाए। डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से अपील की है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कश्मीरियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

दुबई एयर शो में बड़ा हादसा

भारतीय लड़ाकू विमान तेजस दुर्घटनाग्रस्त

पायलट की मौत, जांच के आदेश

दुबई, एजेंसी। दुबई एयर शो 2025 में शुक्रवार दोपहर भारतीय वायुसेना का अत्याधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस एक प्रदर्शन उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने गहन जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं।

यह घटना उस समय हुई, जब तेजस निर्धारित एरोबेटिक अभ्यास के लिए उड़ान भर रहा था। दुर्घटना के कारणों की पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया है। वायुसेना ने बताया कि हादसे में पायलट को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। भारतीय वायुसेना ने कहा है कि वह पायलट की मौत से हुई इस अपूरणीय क्षति पर गहरा दुख प्रकट करती है और इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

दुबई एयर शो में इंटरनेशनल विमानों का प्रदर्शन किया जाता है। यहां दुनिया की बड़ी एयरोस्पेस कंपनियां, एयरलाइंस, एयर फोर्सेज और टेक्नोलॉजी कंपनियां अपने नए विमान, हेलिकॉप्टर, हथियार सिस्टम और एरोस्पेस टेक्नोलॉजी दिखाती हैं। पांच दिन के एयरशो का शुक्रवार को आखिरी दिन था। दुबई एयर शो की शुरुआत 1989 हुई थी। इसे दुबई के अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट में हर दो साल पर आयोजित किया जाता है। यह लगातार तीसरी बार है जब तेजस इसमें शामिल हुआ था। तेजस भारत का स्वदेशी रूप से विकसित हल्का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने डिजाइन और निर्मित किया है। दुबई एयर शो-2025 में इसकी उपस्थिति भारत की एयरोस्पेस क्षमताओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही थी।

अंतरराष्ट्रीय संस्था 'आईक्यू एयर' ने जारी की रैंकिंग

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था 'आईक्यू एयर' की नवीनतम लाइव रैंकिंग में भारत की राजधानी दिल्ली ने एक बार फिर चिंताजनक रिकॉर्ड दर्ज किया है। रैंकिंग में दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। इसके साथ ही दक्षिण एशिया के कई बड़े शहर इस सूची में शीर्ष स्थानों पर हैं। गुरुवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 506 रहा, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार सुबह भी कई इलाकों में 450 से ऊपर दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। दिल्ली सरकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते नवंबर-दिसंबर में सभी स्कूलों में स्पोर्ट इवेंट्स पर रोक लगा दी है। इससे पहले 18 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली के स्कूलों में स्पोर्ट्स फंक्शन न हो।

सभी स्कूलों में खेल गतिविधियों पर रोक लगी

दिल्ली ही नहीं, इसके पड़ोसी शहरों में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब है। शुक्रवार को गाजियाबाद शहर का दोपहर 1 बजे एक्यूआई 428 दर्ज किया गया, जबकि नोएडा में यह आंकड़ा 395 रहा। ग्रेटर नोएडा में 356 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। इसके साथ ही गुरुवार को ग्रेटर नोएडा ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सांस लेने में हो रही दिक्कत

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार हवा की रफ्तार बेहद कम होने के कारण प्रदूषक तत्व वातावरण में फंसे रह जाएंगे। इसके चलते प्रदूषण और बढ़ने की संभावना है। प्रदूषण की वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा हवा में सांस लेना एक दिन में करीब 11 सिगरेट पीने जितना हानिकारक है।

एसआईआर के खिलाफ याचिका पर हुई सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा

- केरल सरकार ने प्रक्रिया रोकने की मांग की
- तमिलनाडु और बंगाल भी लगा चुके हैं अर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दायर केरल सरकार की याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। केरल और अन्य की याचिकाओं में केरल में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है।

जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई 26 नवंबर तय की है। केरल में दिसंबर के दूसरे सप्ताह में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं। इसलिए राज्य सरकार ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को स्थगित करने की मांग वाली याचिका दायर की थी। याचिका में केरल सरकार ने कहा था कि कर्मचारियों की कमी के कारण चुनाव के साथ एसआईआर करवाने से दिक्कतें बढ़ रही हैं। जब संवैधानिक चुनाव चल रहे हों, तो बेकार में जल्दबाजी करके सत्यापन की गुणवत्ता को कम करना, मताधिकार के लोकतांत्रिक ■ शेष पृष्ठ 7 पर

गुजरात में बीएलओ ने की आत्महत्या

गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में एक शिक्षक ने शुक्रवार को एसआईआर के काम दबाव के चलते कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शिक्षक को बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के तौर पर नियुक्त किया गया था। परिवार ने दावा किया कि शिक्षक ने कथित सुसाइड नोट में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की वजह से काम दबाव और मानसिक तनाव के चलते यह कदम उठाया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिक्षक अरविंद वढेर कोडिनार तालुका के देवली गांव के रहने थे और सुबह साढ़े छह बजे अपने घर पर ही फांसी के फंदे से लटके पाए गए। वढेर कोडिनार के छारा गांव में प्राइमरी स्कूल में तैनात थे। उल्लेखनीय है कि अब देशभर में एसआईआर के काम और बढ़ते तनाव के कारण 22 बीएलओ की अकाल मृत्यु की खबरें आई हैं।

सुसाइड नोट में एसआईआर को ठहराया दोषी

झारखंड और बंगाल में ईडी की कार्रवाई

कोयला माफिया से जुड़े 40 ठिकानों पर एक साथ छापे

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला माफिया के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि करीब 100 अधिकारियों और एजेंसी के कर्मचारियों ने सुबह छह बजे से छापेमारी शुरू की।

कागजात और सोने चांदी के जेवर बरामद

इस दौरान 40 से अधिक परिसरों को कवर किया जा रहा है। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने ईडी की टीमों को सुरक्षा प्रदान की, जिन्होंने घरों और कार्यालयों के अलावा टोल कलेक्शन बूथ और चेक पोस्ट पर भी तलाशी ली। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। ईडी की टीमों ने कुछ स्थानों से नकद और सोने के आभूषण भी जब्त किए। झारखंड में कोयला चोरी और तस्करी से जुड़ी जांच के तहत लगभग 18 स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अनिल गोयल, संजय उद्योग, एलबी सिंह और अमर मंडल से जुड़े ठिकानों को कवर किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इन मामलों में कोयले की चोरी और हेराफेरी शामिल है, जिससे सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है।

गुरुग्राम में 108 करोड़ का भूखंड कुर्क

उधर, ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने वाटिका लिमिटेड से जुड़े निवेशक मामले में पीएमएलए के प्रावधानों के तहत 1.35 करोड़ के एक वाणिज्यिक भूखंड को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिसका अनुमानित मूल्य 108 करोड़ रुपये है।

बिहार सरकार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा

नीतीश कुमार ने पहली बार छोड़ा गृह विभाग

- सम्राट को गृह, विजय चौधरी को मिला वित्त विभाग
- ज्यादातर बड़े विभाग भाजपा नेताओं के पास

पटना, देशबन्धु। बिहार में दसवीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार ने शुक्रवार को मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को उप मुख्यमंत्री का दर्जा दिया है । मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, मुख्यमंत्री श्री कुमार ने सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन और ऐसे सभी विभाग जो किसी को आवंटित नहीं है, अपने पास रखे हैं।

श्री कुमार ने भाजपा नेता सम्राट चौधरी को गृह विभाग की जिम्मेवारी दी है। काफी लंबे समय से यह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास था। श्री कुमार ने भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा को राजस्व एवं भूमि सुधार तथा खान एवं भूतत्व विभाग की जिम्मेदारी दी है। मुख्यमंत्री ने जनता दल यूनाईटेड (जदयू) नेता विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन, योजना एवं विकास, मध निषेध, उत्पाद, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, वित्त और वाणिज्य कर की जिम्मेवारी दी है। वित्त विभाग पूर्व में सम्राट चौधरी के पास था। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) नेता श्रवण कुमार को ग्रामीण विकास और परिवहन विभाग की जिम्मेवारी दी गई है। इसी तरह भाजपा नेता मंगल पांडेय को स्वास्थ्य और विधि विभाग की जिम्मेवारी दी गई है। श्री पांडेय के पास पहले भी यही विभाग था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. दिलीप जायसवाल को उधोग विभाग की जिम्मेवारी दी गई है। ज्यादातर बड़े विभागों की जिम्मेदारी भाजपा नेताओं ■ शेष पृष्ठ 7 पर

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय फेड एक्सपो का किया शुभारंभ, बोले-

मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए पसंदीदा राज्य

- एक्सपो में रूस, ओमान, ताईवान भी कर रहे भागीदारी
- 2 लाख करोड़ की औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन के लिए केंद्रीय गृहमंत्री को दिया आमंत्रण

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए तेजी से उभरता हुआ पसंदीदा राज्य बन रहा है। फेड एक्सपो जैसे आयोजन स्थानीय उद्योगों और स्टार्ट-अप्स को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच से जोड़ने में बड़ी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे एक्स्पो उद्योग-धंधों, नवाचार और एमएसएमई सेक्टर के विकास के लिए एक बड़ा मंच साबित होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को गोविन्दपुरा में आयोजित फेड एक्सपो-2025 समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने, एमएसएमई सेक्टर को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार के नए अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एग्जिबिशन हॉल में फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फेड एक्सपो-2025 का दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत् शुभारंभ किया। यह एक्सपो 23 नवम्बर तक चलेगा। एक्सपो में मध्यप्रदेश सहित देश-विदेश से आए उद्योग एवं एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों, निवेशकों और संस्थानों ने व्यापक रूप से भागीदारी की। एक्सपो में रूस, ओमान और ताईवान देशों से भी उद्यमी आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत दुनिया में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए उद्योगपतियों और निवेशकों को 5000 एकड़ जमीन दी गई है। यह एक प्रकार से पांच हजार उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण है। हम उद्योगपतियों से किए सभी वादों को प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से मिले सभी निवेश प्रस्तावों में से अब तक हम 8 लाख करोड़ रुपये के अधिक निवेश प्रस्तावों पर ठोस कार्यवाई कर चुके हैं। इनमें से 6 लाख करोड़ रुपये की औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए जमीनी स्तर पर काम प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली औद्योगिक इकाइयों का सामूहिक भूमिपूजन करने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री को आमंत्रण दिया है। हम उनकी उपस्थिति में यह ऐतिहासिक भूमिपूजन संपन्न करेंगे। उन्होंने कहा कि बीते 4 दशकों में व्यापार-व्यवसाय की संभावनाओं को देखा जाए, तो इसमें मध्यप्रदेश फेडरेशन ऑफ चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भूमिका बड़ी अहम रही है।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि दुनिया में बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच यह एक्सपो नया मंच प्रदान करेगा। आज यहां रूस, ओमान और ताइवान से चेंबर्स के प्रतिनिधि विभिन्न उत्पादों के खरीदार के रूप में भी शामिल हुए हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल, मंडीदीप, देवास और इंदौर में उद्योग विकास की अपार संभावनाएं हैं। सरकार ने मात्र दो साल की अल्प अवधि में 5000 एकड़ जमीन उद्योग विकास के लिए निवेशकों को आवंटित कर दी है। साथ ही उद्यमियों को 6500 करोड़ रुपये की सब्सिडी अंतरित की गई है। उद्योगों के लिए पूरी पारदर्शिता ■ शेष पृष्ठ 7 पर

भारत-रूस सदियों पुराने मित्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और रूस सदियों पुराने मित्र देश हैं। दुनियाभर में हमारी दोस्ती की मिसाल दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूस के साथ शहरी विकास के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। भोपाल की आबो-हवा और यहां की तासीर से मिलते-जुलते रूस के सांस्कृतिक शहर स्मोलेन्स्क को हम ट्विन सिटी (सिस्टर्स सिटीज) बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रूस, ओमान और ताईवान से आए उद्यमियों से कहा कि आप सब इस एक्स्पो में मध्यप्रदेश के आइडिया, कैलिबर और कैपेसिटी को देख ही रहे हैं। उन्होंने विदेशी दल से आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश की यात्रा में शामिल होने का आह्वान भी किया।

सार-समाचार

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाने में सहयोग दें: विधायक

सागर, देशबन्धु। विधायक प्रदीप लारिया ने रजाखेड़ी स्थित विधायक कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर प्रक्रिया पर केंद्रित थीं। मकरोनिया ग्रामीण एवं मकरोनिया नगर मंडल के अध्यक्ष, बीएलए. 2, पार्षद एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधायक लारिया एवं पदाधिकारी ने मतदाता सूची सुधार प्रक्रिया में प्रत्येक व्यक्ति से मतदान अधिकारी बीएलओ का पूर्ण सहयोग करने की अपील की। उपस्थित बीएलओ.2 को मतदाता पंजीकरण फार्म भरने की विस्तृत प्रक्रिया समझाई। वर्ष 2003 की मतदाता सूची की ऑनलाइन प्रति प्राप्त करने और ऑनलाइन आवेदन करने के तरीके बताये। कार्यशाला में स्पष्ट किया गया कि एसआईआर प्रक्रिया के लिये दो नवीनतम रंगीन फोटो, मतदाता पहचान पर्ची क्र. और आधार क्रमांक प्रस्तुत करना अनिवार्य है। विधायक ने अधिक से अधिक नये और छूटे हुये मतदाताओं को सूची में जोड़ने का आग्रह किया। कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपना योगदान दें।

इंदौर से बीना मंडी आये परिवार के बैग से चोरी

बीना, देशबन्धु। कृषि मंडी परिसर में इंदौर से आये एक परिवार के साथ चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने परिवार के बैग से लगभग 1 किलो चांदी और 50 हजार रुपये नकद चुरा लिये। परिवार 20 नवंबर की सुबह बीना पहुंचा था। पीड़ित रामवीर बडेरे 38 अपनी पत्नी रामवती, भाई बृजेश और बहन गुलाब के साथ सुबह 5.30 बजे बीना बस स्टैंड सर्वोदय चौराहा पर उतरे थे। सुलभ कॉम्प्लेक्स की जानकारी न होने पर एक स्थानीय व्यक्ति ने उन्हें मंडी परिसर स्थित शौचालय जाने की सलाह दी। परिवार मंडी परिसर पहुंचा, जहां गार्ड ने ताला खुलवाकर उन्हें अंदर जाने दिया। परिवार के तीन सदस्य स्नान करने चले गये, जबकि छोटा भाई बृजेश बैग के पास बैठा रहा। रामवीर के बैग में 1 किलो चांदी और 50,000 रुपये नकद रखे थे, जिसे वे अपनी ससुराल चंदेरी ले जाने के लिये इंदौर से लाये थे। परिवार गुप्ता गार्डन में शिशुपाल अहिरवार की बेटी को देखने के बाद चंदेरी पहुंचा। शाम को जब बैग खोला गया, तो उसमें से चांदी और नकद गायब मिले। बैग का ताला टूटा नही था, जिससे परिवार को संदेह है कि चोरी मंडी परिसर में ही हुई। घटना की सूचना दोपहर लगभग 3 बजे बीना पुलिस थाने में दी गई, पीड़ितों ने मंडी गार्ड पर संदेह जताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और चोरी की वारदात की पुष्टि के लिये सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

भूपेन्द्र सिंह ट्रॉफी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिया 2025-26 का आयोजन 15 दिसंबर से

खुरई, देशबन्धु। खुरई विधानसभा क्षेत्र के युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों के लिये भूपेन्द्र सिंह फेंस क्लब के तत्वावधान में होने वाली भूपेन्द्र सिंह ट्रॉफी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-2026 के आयोजन की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। इस वर्ष इस क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 15 दिसंबर को होगा और समापन दिवस 25 जनवरी को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीम एक लाख रुपये नगद की हकदार होगी। भूपेन्द्र भैया फेंस क्लब के प्रतिनिधि अंशुल नामदेव ने बताया कि क्षेत्र के चार प्रमुख मैदानों पर क्रिकेट खेली जायेगी। इनमें स्टेडियम एवं किला मैदान खुरई, एमसीसी मैदान मालथौन, स्टेडियम परिसर बरोदियाकलां तथा स्टेडियम परिसर बांदरी शामिल हैं। प्रतियोगिता में कुल 1 लाख 93 हजार रुपये से अधिक के नकद पुरस्कार विजेता टीमों को दिये जायेंगे। आकर्षक पुरस्कार राशि में विजेता टीम को एक लाख रूपयें, उपविजेता टीम को 51 हजार, मैन ऑफद सीरीज को 21 हजार, बेस्ट बैट्समैन को 11 हजार तथा बेस्ट बॉलर को 11 हजार नगद पुरस्कार राशि मिलेगी। टीम पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 दिसंबर रखी गई है। इच्छुक टीमें क्षेत्रवार इन नंबरों पर संपर्क कर अपना पंजीकरण करा सकती हैं। खुरई नगर अंशुल नामदेव 7509786070, मालथौन पुष्पेन्द्र परिहार 8518853595, बरोदियाकलां रविन्द्र ठाकुर 9981331376 तथा बांदरी नीलेश सराफ 8085254334 व सचिन साहू 9644358179 से संपर्क कर पंजीकरण करा सकती हैं।

नाश्ते में समोसा मिलने पर भड़के जनपद सदस्य, उपाध्यक्ष ने समझाकर शांत कराया

बीना, देशबन्धु। शुक्रवार को जनपद पंचायत की साधारण सभा की बैठक हुई। इस दौरान नाश्ते में फिर से समोसा परोसे जाने पर एक जनपद सदस्य भड़क गये। कुछ देर के लिये बैठक का माहौल तनावपूर्ण बन गया। स्थिति बिगड़ती देख जनपद उपाध्यक्ष अमर प्रताप सिंह ने उन्हें समझाकर शांत कराया। इसके बाद बैठक की कार्यवाही दोबारा शुरू हो सकी। जनपद सदस्य क्षमाधर पटेल ने आरोप लगाया कि हर बैठक में सिर्फ समोसा ही परोसा जाता है। अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के सम्मान का ध्यान रखना चाहिये और खानापूर्ति जैसी व्यवस्था नही होना चाहिये। उनके विरोध के कारण कुछ मिनटों तक तकरार की स्थिति बनी रही। स्थिति बिगड़ती देख जनपद उपाध्यक्ष ने हस्तक्षेप किया और क्षमाधर पटेल

को समझाकर शांत कराया। इसके बाद बैठक की कार्यवाही दोबारा शुरू हो सकी। इसी दौरान जनपद सदस्य गोमती बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ अपने बेटे को देने की मांग की। सीईओ प्रदीप पाल ने स्पष्ट बताया कि योजना के नियमों के तहत जनप्रतिनिधियों और उनके प्रत्यक्ष परिजनों को लाभ नहीं दिया जा सकता। बैठक में पिछले एक वर्ष की तकनीकी स्वीकृतियों, पूर्णता प्रमाण पत्र, पूर्ण और अधूरे कार्यों की स्थिति पर विभागीय इंजीनियरों ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। मनरेगा योजना के तहत चल रहे कार्यों, व्यय और प्रगति की जानकारी दी गई। आवास प्रभारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत आवास, किश्तों के वितरण, पूर्ण और अपूर्ण आवासों का विवरण रखा। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालयों की निर्माण प्रगति पर चर्चा हुई। बैठक में जनपद अध्यक्ष उषा राय, सीईओ प्रदीप पाल, जनपद सदस्य पूरन सिंह रघुवंशी, पीपी नायक, शिवकुमार चढ़ार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षकों हेतु हिन्दी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

सागर, देशबन्धु। शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में हिन्दी विषय के शिक्षकों के लिये एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण प्रभारी शैलेन्द्र जैन प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी मनोज जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कक्षा 10 वीं हिन्दी विषय की दिसंबर माह की विषय वस्तु तथा परीक्षा संबंधी बिंदुओं पर शिक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर रामबाबू तिवारी ने अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रश्नपत्र का विश्लेषण प्रस्तुत करते हुये विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली सामान्य त्रुटियों पर विस्तृत चर्चा की। श्याम मनोहर वैद्य ने विद्यार्थी प्रगति ट्रैकर पत्रक के प्रभावी उपयोग तथा मंगलेश डबराल रचित कविता संगतकार की व्याख्या पद्धति को समझाया। सत्या शर्मा ने पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रणाली के महत्वपूर्ण दस्तावेज ब्लूप्रिंट एवं उसकी संरचना पर विस्तृत जानकारी दी। आराधना कटारे ने व्याकरण के मुख्य बिंदुओं क्रिया विशेषण, वाक्य के प्रकार, रस, खंडकाव्य एवं महाकाव्य में अंतर को अत्यंत सरल एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से मनीष शर्मा आईटी सेल एवं देवेंद्र चौबे ने अपने उद्बोधन में आधुनिक शिक्षण तकनीकों एवं मूल्यांकन सुधार संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किये। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आये शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दी तथा इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

वसुंधरा को उपजाऊ बनाये रखने के लिये जैविक खेती की ओर लौटना होगा: डॉ. द्विवेदी

सागर, देशबन्धु। कृषि के प्रति जिस तरह का तिरस्कृत भाव समाज में पैदा हो रहा है, वह चिंतनीय है। गांवों की जमीन और जमी जमाई खेती को बेचकर लोग तेजी से शहरों की ओर रुख कर रहे हैं। खेती की जमीन पर बिल्डर्स और कॉरपोरेट की दृष्टि गढ़ी है। बेतहाशा रासायनिक खाद और कीटनाशक के प्रयोग से जमीन बंजर हो रही है। इसलिये पैदावार निरंतर कम हो रही है। ऐसे में हमें पुन: अपनी वसुंधरा को उपजाऊ बनाने के लिये जैविक खेती की ओर लौटना होगा। यही समर्थ और स्वस्थ भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगी। यह बात मुख्य वक्ता डॉ. आशीष द्विवेदी ने कपूरिया ग्राम में चल रहे कृषि प्रशिक्षण शिविर में कहीं। वे यहां देश के अलग-अलग हिस्सों से आये कृषि में रुचि रखने वाले युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें कृषि को अपने पुरातन और नवाचार तरीके के संयोग से मिलाकर

लाभ का सौदा बनाने की आवश्यकता है, तभी हमारी हमारी अन्न गर्भा और रत्नगर्भा भूमि माता प्रसन्न होंगी। कृषि पत्रकारिता भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। प्रशिक्षण प्रभारी कृषि विशेषज्ञ आकाश चौरसिया ने बताया कि जैविक खेती का राष्ट्र में व्यापक प्रचार-प्रसार हो इस के लिये हम युवा कृषकों को तैयार कर रहे हैं। हम कृषि को उद्यमिता से जोड़ने का प्रयोग कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण शिविर में देश भर से आये प्रशिक्षार्थियों को कृषि की उन्नत तकनीक, मल्टी लेयर खेती, आर्गेनिक खेती और उससे जुड़े विभिन्न सहयोगी उपक्रमों के बारे में भी अवगत कराया जा रहा है। बड़ोदरा से आये स्वामी संस्कृतानंद ने कृषि, आयुर्वेद, योग, चिकित्सा के प्राचीन भारतीय आयामों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड से युवाओं की टोलियां आई हुई हैं।

फैक्ट्री के अंदर रखी बाइक हुई चोरी

खुरई, देशबन्धु। शहरी थाना क्षेत्र के खिमलासा रोड स्थित एक कृषि उपकरण निर्माण फैक्ट्री में चोरी की घटना सामने आई है। फैक्ट्री के भीतर से ही एक मजदूर की बाइक अज्ञात चोर चुरा ले गये। चोरी की यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी माखन अहिरवार पिता गौरेलाल अहिरवार प्रतिदिन की तरह खिमलासा रोड स्थित जय बाबा जी कृषि उपकरण फैक्ट्री में मजदूरी करने गये थे। उन्होंने अपनी बाइक एमपी 15 एनई 6259 को फैक्ट्री के अंदर लॉक करके खड़ा किया और काम पर चले गये। दोपहर में जब माखन अहिरवार किसी काम से बाहर आये, तो उन्होंने देखा कि उनकी बाइक वहां नहीं थी। आसपास पूछताछ करने पर भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने तुरंत शहरी थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण किया। सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात युवक बाइक ले जाते हुए दिखाई दिया। इसी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने और उसकी तलाश में जुटी है।

आरबीआई द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संपन्न

सागर, देशबन्धु। शास. स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्ट महाविद्यालय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल बैंकिंग, बचत एवं निवेश, साइबर सुरक्षा तथा आर्थिक निर्णय क्षमता से सम्बंधित व्यवहारिक एवं समग्र ज्ञान प्रदान करना था। आयोजन में समर्पित गरीबी उन्मूलन सामाजिक अनुसंधान केंद्र का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बचत एवं निवेश का महत्व, ऋण एवं कर्ज प्रबंधन के उपाय, बजट प्रबंधन एवं आर्थिक संतुलन, डिजिटल भुगतान एवं ऑनलाइन बैंकिंग की सुविधा, बीमा संबंधित जागरूकता, साइबर सुरक्षा एवं धोखाधड़ी से बचाव के उपाय, साइबर अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करने की जानकारी दी गई। विशिष्ट अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक संजय सेजकर ने महंगाई, मुद्रास्फीति और मुद्रा के मूल्य में कमी के प्रभावों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रस्तुत किया। आरबीआई भोपाल की टीम द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता प्रश्नोतरी में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिससे वित्तीय विषयों की समझ और अधिक सुदृढ़ हुई। कार्यक्रम में कुल 150 छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम में डॉ. प्रतिमा खरे वाइस प्रिंसिपल, डॉ. शुभम दुबे, ओम शुक्ला, पूरन लाल अहिरवार, अरुण मिश्रा, श्रीकांत ठाकुर, आदित्य सोनी सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थिति रहा। भारतीय रिजर्व बैंक एवं सामाजिक अनुसंधान केंद्र की टीम का महाविद्यालय परिवार ने आभार व्यक्त किया।

जीजा-साले ने घर का ताला तोड़कर अनाज चोरी किया, दोनों आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

सागर, देशबन्धु। शाहपुर क्षेत्र में बंद घर से सोयाबीन और गेहूं चोरी करने के मामले में पुलिस ने जीजा साले को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से चोरी का अनाज और नकद जब्त हुआ है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। शाहपुर निवासी श्रीराम लोधी ने पुलिस चौकी में शिकायत की थी कि उनके घर में ताला लगा था। इसी दौरान अज्ञात चोर ताला तोड़कर घर में रखी सोयाबीन और गेहूं की उपज चोरी कर ले गये। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, तफ्तीश के लिये पुलिस टीम लगाई गई। जांच के दौरान संदेहियों के बारे में कुछ सुराग मिले। इसके आधार पर पुलिस ने गढ़ाकोटा निवासी राहुल पिता राजकुमार पटेल को हिरासत में लिया और थाने लाकर पूछताछ की। पूछताछ में राहुल ने माना कि उसने अपने जीजा भगवत लोधी और एक अन्य साथी के साथ मिलकर घर में चोरी की। तीनों सोयाबीन और गेहूं उठाकर भाग गये थे। नाम सामने आने पर पुलिस ने मझगुंवा में दबिश दी और भगवत उर्फ मुंडे लोधी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से चोरी में गया अनाज और नकद जब्त किया गया। शाहपुर चौकी प्रभारी अशोक उपाध्याय ने बताया कि चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी में गया अनाज व नकद जब्त किया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

पति, सास-ससुर पर विवाहिता ने लगाया जलाने का आरोप, पति ने आरोपों से किया इनकार

खुरई, देशबन्धु। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे डायल 112 की टीम एक झुलसी हुई महिला को खुरई के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंची। महिला के साथ उसका पति भी मौजूद था। गंभीर हालत में लाई गई महिला की पहचान विदिशा जिले के पठारी निवासी 23 वर्षीय दुर्गा अहिरवार पत्नी सौरभ अहिरवार के रूप में हुई। दुर्गा की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी और उसकी एक छोटी बच्ची भी है। सूचना मिलने पर तहसीलदार डॉ. राकेश कुमार अस्पताल पहुंचे और प्राथमिक उपचार के बाद विवाहिता के बयान दर्ज किये। दुर्गा ने अपने बयान में आरोप लगाया कि उसका पति उसे आये दिन प्रताड़ित करता था। शुक्रवार को पति ने उससे एक लाख रुपये की मांग की। रुपये न देने पर, दुर्गा के अनुसार उसके सास-ससुर ने हाथ पकड़े और पति सौरभ ने उस पर डीजल डालकर आग लगा दी। पति सौरभ अहिरवार ने पत्नी के आरोपों को सिरे से

खारिज किया है। उसका कहना है कि दुर्गा पहले भी कई बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी है, जिसे परिवार ने बचाया था। सौरभ ने बताया कि इसी वजह से वह परिवार से अलग रह रहा है और यह घटना भी दुर्गा ने स्वयं को आग लगाकर की है। पीड़िता के भाई अरुण अहिरवार ने भी ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही दुर्गा को मानसिक और शारीरिक रूप से यातनायें दी जा रही थी, जिसके चलते वह कई बार अपने मायके भी आई थी। यह घटना पठारी थाना क्षेत्र की है, इसलिए खुरई अस्पताल प्रबंधन ने मामले की सूचना पठारी पुलिस को दे दी है। पुलिस ने विवाहिता के बयान और चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल दुर्गा का उपचार जारी है और उसे सागर रेफर किया गया है। पुलिस सभी पक्षों से बयान लेकर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

कबीर गायक पद्मश्री भारती बन्धु ने बांधा समां

सागर, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय कबीर गायक पद्मश्री भारतीय बन्धु ने स्पिक मैके सागर चैप्टर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम पारस विद्या बिहार में भारती बन्धु, प्राचार्य रितु सोनी, सागर चैप्टर के समन्वयक राजेश पंडित, उपाध्यक्ष अमित आठिया, बृजेश दुबे, करणवीर सिंह, आशीष खटीक नें दीप प्रचलन कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया। आमंत्रित अतिथियों का स्वागत शालेय परिवार द्वारा किया गया। कबीर गायन ने उपस्थित सभी बच्चों को मंत्र मुक्त कर दिया। बच्चे उनके साथ आनंद लेते हुये कबीर भजनों को दोहराते हुये कबीर मय हो गये। भारती बंधु ने सूरज की गर्मी से जलते हुये तन को मिल जाये तरुवर की छाया से शुरू कर, जरा धीरे-धीरे गाड़ी हांको राम, लाली मेरे लाल की जित देखूं उत लाल के साथ कबीर की कई साखियां प्रस्तुत कीं। दूसरा कार्यक्रम आर्ट एंड का कॉलेज के आयोजित किया गया कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेष केशरवानी, संरक्षक अन्नी दुबे, शायर अशोक मिजाज, प्राचार्य सरोज गुप्ता के दीप प्रज्वलन कर कबीर गायन की शुरुआत की। अतिथियों का स्वागत सागर चैप्टर के समन्वयक राजेश पंडित, अमित आठिया, ब्रजेश दुबे ने किया। इस अवसर डॉ. सुखदेव मिश्रा को भारती बंधु की आतिथ्य में सागर चैप्टर का संरक्षक बनाया। भारती बंधु ने मन लगो यार फकीरी में, छाप तिलक सब छीनी तोसे नैना मिलाई के, दमादम मस्त कलंदर के साथ सबको झूमने पर विवश कर दिया, बीच बीच में कबीर की साखियां प्रस्तुत की जिससे सभी मंत्रमुग्ध हो गये, कार्यक्रम का संचालन प्रो. अमर जैन किया। इस अवसर पर संदीप सबलोक, नलिन जैन, शैलेन्द्र सिंह, अवधेश प्रताप सिंह उपस्थित थे।

पशु चिकित्सालय बंद भटक रहे पशुपालक

बांदरी, देशबन्धु। बांदरी के बंडा रोड पर कई सालों से संचालित पशु चिकित्सालय में चिकित्सक एवं अन्य कर्मियों के गैरहाजिर रहने से अक्सर ताला लटका रहता है। इससे अस्पताल आने वाले पशु पालकों को मायूस होकर लौटना पड़ता है। बांदरी तथा आसपास के लोग पशुओं की इलाज के लिये अस्पताल जाते हैं तो अक्सर बंद ही मिलता है इसकी शिकायत नागरिक कई बार कर चुके हैं। जिसमें बताया कि बांदरी पशु चिकित्सालय में अधिकांश ताला ही लटका रहता है और पदस्थ स्टाफ डॉक्टर कभी आते हैं, कभी नहीं आते हैं। इससे लोगों को बीमार पशुओं का इलाज कराने में परेशानी हो रही है। इस मौसम में अक्सर दुधारू पशुओं के अलावा अन्य जानवर बीमार हो रहे हैं। एक्सीडेंट होने से तुरंत इलाज नहीं मिलने से इलाज के अभाव में पशु काल के गाल में समा जाते हैं। कई किसानों की तो पशुओं के सहारे ही आजीविका चलती है और पशुओं को समय पर उपचार न मिलने से कई कीमती पशु मौत के शिकार हो जाते हैं, जिससे उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ता है। शिकायत में बताया कि मवेशियों के इलाज के लिये जब भी बांदरी के पशु चिकित्सक व अन्य कर्मचारियों से संपर्क किया जाता हैं जो उनका कहना होता है कि टोल फ्री नंबर पर फोन लगा लो एक्बूलेंस आ जायेगी पर एक्बूलेंस सेवा का भी कोई लाभ नहीं मिल पाता है जिस कारण बेजुबान पशुओं का समय पर इलाज नहीं हो पाता है।

मप्र प्रेस क्लब ने राघवेंद्र ठाकुर को संभाग का संगठन अध्यक्ष नियुक्त किया

सागर, देशबन्धु। मप्र प्रेस क्लब द्वारा सागर संभाग में संगठन विस्तार और पत्रकार हितों को सशक्त करने के उद्देश्य से क्लब ने सक्रिय एवं पत्रकार राघवेंद्र सिंह ठाकुर को संभाग का संगठन अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनके साथ ही महेन्द्र सिंह राजपूत को संगठन महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी। प्रेस क्लब के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में कहा है कि राघवेंद्र ठाकुर का पत्रकारिता क्षेत्र में निष्पक्ष व समर्पित योगदान, संगठनात्मक क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को देखते हुये उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व दिया है। संभाग में आने वाले जिलों में पत्रकारों के हितों की रक्षा, समस्याओं के समाधान, संवाद, कल्याणकारी कार्यक्रमों के संचालन तथा संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगे। नियुक्ति पर राघवेंद्र ठाकुर को विभिन्न पत्रकार संगठनों और सामाजिक संस्थाओं ने शुभकामनायें दी हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक प्रभावशाली प्रयास: डॉ. पीएस ठाकुर

सागर, देशबन्धु। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान 2025 के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। मीडिया प्रभारी डॉ. सौरभ जैन ने बताया कि 20 एवं 21 नवम्बर को आयोजित गतिविधियों के प्रथम चरण में रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता संपन्न हुईं। प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपनी रचनात्मकता और संदेशों के माध्यम से उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। अभियान के दूसरे दिवस 21 नवम्बर को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशाल जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें मेडिकल कॉलेज के सभी चिकित्सा छात्र, नर्सिंग छात्र एवं अन्य प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। रैली के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश प्रसारित किया गया। इस दो दिवसीय आयोजन का नेतृत्व अधिष्ठाता डॉ. पीएस ठाकुर, अधीक्षक डॉ. राजेश जैन एवं डॉ. अभय तिर्की द्वारा किया गया। संचालन मनोरोग चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय प्रसाद तथा सामुदायिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमरनाथ गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। इसके अतिरिक्त डॉ. अनुराग सहित सभी विभागों के समस्त छात्रों की उपस्थिति एवं सहयोग उल्लेखनीय रहा।

85 लाख की लागत से 2 सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, सीसी रोड का लोकार्पण संपन्न

मालथौन, देशबन्धु। जिला पंचायत की पूर्व उपाध्यक्ष सरोज सिंह ने खुरई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खिरिया शंकर, नाउढाना तथा सेमरा अटा में कुल 85 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवनों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा सीसी रोड का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में ग्राम खिरियाशंकर में 25 लाख रुपये लागत के सामुदायिक भवन, ग्राम नाउढाना में 25 लाख रुपये लागत के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन और ग्राम सेमरा अटा में

35 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया। उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुये श्रीमती सिंह ने कहा कि पूर्व मंत्री एवं विधायक भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। आज खिरियाशंकर और नाउढानां में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, सेमरा अटा में सीसी रोड का लोकार्पण हुआ है। इसके अलावा क्षेत्र में अनेक विकास कार्य कराये जा चुके हैं। आपने स्वयं देखा होगा, हर जगह सड़कें बनकर तैयार हो गई हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां सड़क न हो। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां विकास कार्य न कराया गया हो और जो भी कार्य बताये जायेंगे, उन्हें भी शीघ्र पूरा किया जायेगा।

महापौर ने एसआईआर से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु शिविर का शुभारंभ किया

सागर, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा लोकतंत्र के उत्सव एसआईआर सर्वे के दौरान नागरिकों को होने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से वार्ड स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को महापौर संगीता तिवारी ने निगमायुक्त राजकुमार खत्री की उपस्थिति में 3 वार्डों गोपालगंज, सिविल लाइन एवं वृंदावन वार्ड के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु गोपालगंज वार्ड स्थित झंडा चैक पर शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण एसआईआर सर्वे शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सर्वे के दौरान किसी भी नागरिक को कोई कठिनाई या असुविधा न हो। इसी उद्देश्य से प्रत्येक वार्ड में

शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्या का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वे टीमों व बीएलओ के सहयोग से यह शिविर जनसुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किये गये हैं ताकि नागरिक सीधे पहुंचकर अपनी समस्या बता सकें और उसी समय आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। निगमायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रत्येक आवेदन का समय सीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाये तथा जरूरतमंद नागरिकों को सर्वे प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की जाये। नगर निगम द्वारा आगामी दिनों में अन्य वार्डों में भी इसी प्रकार के शिविर आयोजित किये जायेंगे, जिससे एसआईआर सर्वे कार्य को सुचारू एवं सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके। शिविर में नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य, उपायुक्त एसएस बघेल सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

सार समाचार

तेज़ रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक घायल

छतरपुर, देशबन्धु। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें घिनोची गांव के 24 वर्षीय अमित दुबे गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार अमित दुबे अपनी मोटरसाइकिल से सब्जी मंडी

जा रहा था, तभी बड़ामलहरा के पास अचानक एक तेज़ रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अमित सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। अमित के पीछे मोटरसाइकिल से आ रहे उसके पिता नाथूराम दुबे ने जब बेटे को सड़क पर पड़ा देखा, तो तुरंत उठाकर बड़ामलहरा उपस्वास्थ्य केंद्र ले आए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

शोधार्थी रामखगेश पटेल के सटीक प्रजेंटेशन को सभी ने सराहा

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड यूनिवर्सिटी के वाणिज्य अध्ययनशाला एवं शोध केन्द्र में वाणिज्य के शोध छात्र रामखगेश पटेल द्वारा जूनियर रिसर्च फेलो से सीनियर रिसर्च फेलो में उन्नयन के लिए प्रभावी प्रजेंटेशन दिया गया।

इस मौके पर वाणिज्य के डीन एवं विभागाध्यक्ष डा बीके अग्रवाल, बाह्य विषय विशेषज्ञ के रुप में शासकीय एमएलबी कॉलेज ग्वालियर के वाणिज्य विभाग के सेवानिवृत वरिष्ठ प्राध्यापक डा आरसी गुप्ता उपस्थित रहे। रामखगेश पटेल ने बताया वह शोध कार्य भारतीय बजटीय प्रणाली का समीक्षात्मक अध्ययन, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2016-17 से 2023-24 के विशेष संदर्भ में विषय पर कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शक वाणिज्य के प्राध्यापक डा ओपी अरजरिया हैं। बाह्य विशेषज्ञ डॉ गुप्ता ने रामखगेश पटेल के प्रजेंटेशन की सराहना की। शोध निदेशक डॉ ओपी अरजरिया एवं वाणिज्य के विजिटिंग प्रोफेसर डॉ एसपी जैन ने शोधार्थी श्री पटेल को शीघ्र शोध कार्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन विषय विशेषज्ञ रुपाली पंसारी और सुरुचि असाटी ने किया। इस अवसर पर वाणिज्य, प्रबंध, उद्यमिता और वोकेशनल कोर्स के सभी अतिथि विद्वान और कामर्स के रिसर्च स्कालर उपस्थित थे।

रोल प्रेक्षक ने किया बूथ, निर्वाचन शाखा का निरीक्षण

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र 51 छतरपुर अंतर्गत विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 (एसआईआर) का कार्य सभी मतदान केन्द्र पर बीएलओ के द्वारा किया जा रहा है। शुक्रवार को मतदान केन्द एवं तहसील में निर्वाचन शाखा का रोल प्रेक्षक द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान तहसीलदार (ग्रामीण) आकाश नीरज द्वारा जानकारी दई गई। मतदान केंद्रों के किए गए निरीक्षण में 79, 80-गौरगांय एवं 50-धमौरा में निर्वाचक नामावली 2025 की मतदाता सूची साथ में रखने के निर्देश दिए। परिक्षेत्र स्तर पर अधिकतम अन्य विभागीय सहयोग करने के भी निर्देश दिए गए। 26-महेबा, 27-महेबा, 28-महेबा और तहसील निर्वाचन शाखा के निरीक्षण में कार्य संतोषजनक पाया गया। यहां जिसमें बीएलओ जयदीप चौरसिया प्रोग्रामर द्वारा सॉफ्टवेयर एवं कॉल सेंटर के संबंध में जानकारी दी गई।

16 हजार के इनामी बदमाश को पकड़ा गया

छतरपुर, देशबन्धु। थाना बड़ामलहरा पुलिस ने वर्ष 2007 के अवैध हथियार, वर्ष 2014 के मारपीट, वर्ष 2017 के अवैध हथियार प्रकरण में फरार 16000 रुपए के इनामी आरोपी हल्के लक्ष्मण सिंह पिता पूरन सिंह निवासी ग्राम सूरजपुरा कला को गिरफ्तार किया है। उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया, वहां से जेल भेज दिया गया है। इस कार्यवाही में एसडीओपी बड़ामलहरा रोहित अलावा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बड़ामलहरा टीआई श्रद्धा शुक्ला, एएसआई भान सिंह घोस, आरक्षक गजराज, निशांत, महिला आरक्षक रंजना, शोभना एवं की भूमिका खास रही है।

शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर कलेक्टर ने दिए निर्देश

छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं प्रोफाइल में लापरवाही न की जाए

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करके कहा कि छात्रों की छात्रवृत्ति सेशन करने से लेकर प्रोफाइल अपडेशन में लापरवाही न की जाए। ऐसा करने वालों पर कडी कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कलेक्टर ने छात्रवृत्ति एवं प्रोफाइल अपडेशन में लापरवाही बरतने पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल क्रमांक 2 के प्राचार्य पर कार्यवाही के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश देकर कहा छात्रों की छात्रवृत्ति सेंशन के संबंध में किसी भी अधिकारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यू-डाईस पोर्टल के नामांकन में अंतर होने और ड्रॉप बॉक्स में अधिक संख्या में छात्र लंबित होने के कारण बीईओ की एक दिन की वेतन काटने, बीआरसीसी छतरपुर और बीईओ बड़ामलहरा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अनुपस्थित रहने पर डाईट प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री जैसवाल ने यू-डाईस, चाइल्ड ट्रैकिंग, नामांकन, छात्रवृत्ति, लैपटॉप योजना, ई-स्कूटी योजना, पुस्तक, गणवेश, साईकिल वितरण, ई-अटेंडेंस और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नम: शिवाय अरजरिया, प्रभारी डीईओ अरुण शंकर पाण्डेय सहित सभी बीआरसीसी और बीईओ सहित जिला शिक्षा केन्द्र के अधिकारी उपस्थित रहे।

साइकिल वितरण में न करें लापरवाही

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए मिलने वाली राशि का समय सीमा में भुगतान करें। उन्होंने ब्लॉकवार शतप्रतिशत साईकिल वितरण करके पोर्टल पर एण्ट्री करने के निर्देश देकर कहा कि डिमांड होने पर और साईकिल मंगाने का प्रस्ताव भी भेजा जाए। कलेक्टर ने कहा अधिकारी साईकिल के पात्र एवं अपात्र बच्चों का ठीक से परीक्षण जरुर करा लें। ई-अटेंडेंस की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा अटेंडेंस के साब से ही सभी की वेतन का भुगतान किया जाएगा। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायकर्ता से अधिकारी स्वयं बात करके संतुष्टि से शिकायत को बंद कराएं।

दो बीएलओ को किया सम्मानित

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ जैसवाल ने एसआईआर के तहत गणना पत्रकों का शत प्रतिशत डिजिटलाइजेशन करने वाले दो बीएलओ को सम्मानित किया है। इनमें बिजावर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 225 हरपुरा के बीएलओ बलराम यादव और राजनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्र 185 तिवारन पुरवा के बीएलओ विजय कुमार बाजपेयी को उनके अनुकरणीय कार्य के लिए कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में शॉल-श्रीफल से सम्मानित किया गया है।

ब्लैकमेलिंग के आरोप में युवक को होटल से पकड़कर पुलिस को सौंपा, मामला दर्ज

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के पन्ना रोड स्थित होटल आदर्श प्लाज़ा में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एक युवक को लड़की को ब्लैकमेल करते हुए पकड़ लिया। इसके बाद युवक को जुलूस के रूप में सिविल लाइन थाने ले जाकर पुलिस के सुपुर्द बकर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आरोपित युवक ने एक हिंदू किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बनाकर उसके आपत्तिजनक वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिए थे। इन वीडियो के जरिए वह किशोरी को बार बार ब्लैकमेल करके रुपयों की मांग कर रहा था। किशोरी उसे पहले 10,000 रुपये दे चुकी थी। शुक्रवार को फिर 35,000 रुपए की मांग की गई, इससे तंग आकर किशोरी ने हिम्मत जुटाकर मामले की जानकारी हिंदू संगठन के सदस्यों को दे दी। सूचना मिलते ही बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और दुर्गा वाहिनी के सदस्य होटल आदर्श प्लाज़ा पहुँचे और कमरे में ही आरोपी युवक को दबोच लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। संगठन के सदस्यों का दावा है कि आरोपी युवक के मोबाइल में कई युवतियों

के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें मिली हैं। युवक काफी समय से एक युवती की मदद से नाबालिग किशोरियों को फंसाकर ब्लैकमेल करने का रैकेट चला रहा था। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शहर में इस तरह की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं, और यदि जल्द रोक नहीं लगी तो संगठन धरने पर बैठने को मजबूर होगा।

इनका कहना है

एक लड़की द्वारा थाने में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है कि एक युवक द्वारा उनके साथ छेड़छाड़, ब्लेकमेलिंग करके सब मानसिक प्रताड़ित किया जा रहा था। इन्हीं धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध करके विधि सम्मत कार्यवाही की जा रही है। इस मामले में दो लोगों अन्य का नाम आया है, जिन पर एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अरूण कुमार सोनी
सीएसपी, छतरपुर

किशोरी के साथ गैंग रेप, दोनों आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

हरपालपुर, देशबन्धु। नगर में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पड़ोसी युवकों के घर लौट रही किशोरी के साथ द युवकों ने उसके साथ गैंगरेप किया है। पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करके दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है।

जानकारी के अनुसार 13 वर्षीय किशोरी अपने माता पिता के साथ नगर में एक विवाह घर में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। रात्रि ज्यादा होने पर माँ ने पड़ोस रहने वाले जान पहचान के युवकों के साथ किशोरी को घर छोडने के लिए भेज दिया। रास्ते मे युवकों की नीयत खराब हो गई और वे किशोरी को उठाकर एक कमरे में ले गए, जहां उससे दुष्कर्म किया। देर रात्रि जब पिता घर पहुंचा तो किशोरी घर पर नहीं मिली, तलाश करने पर वह बदहवास हालात में मिली। किशोरी ने अपने साथ हुई दरिंदगी परिजनों को बताई। रात्रि डेढ़ बजे किशोरी अपने माता पिता के साथ थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई।

इनका कहना है

किशोरी के पिता की शिकायत पर तुरंत कार्रवाही करते हुए दोनों आरोपित को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया है। सुबह मेडिकल परीक्षण के लिए किशोरी को परिजनों के साथ नौगाव सीएचसी भेजा।

परीक्षण में किशोरी के साथ दरिंदगी की पुष्टि डॉक्टरो द्वारा की गई। दोनों आरोपित के विरुद्ध धारा 64(1), 127(2), 3(5) बीएनएस, पॉस्को एक्ट की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संजय राय
टीआई, थाना हरपालपुर

उप स्वास्थ्य केंद्रों में लटके ताले, मरीज इलाज के लिए परेशान

बक्स्वाहा, देशबन्धु। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक है। सरकार ने करोड़ों रुपये8 खर्च करके उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन तो तैयार करा दिए, लेकिन डॉक्टर और स्टाफ की नियुक्ति करना भूल जाने से हालात बदतर हैं।

बक्सवाहा ब्लॉक के 16 उप स्वास्थ्य केंद्रों में से 6 केंद्रों पर सालों से ताले लटके हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जब डॉक्टर और स्टाफ ही नहीं हैं, तो स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार का सपना कैसे पूरा होगा? बात करें निमानी गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र की, तो इस केंद्र के अंतर्गत लगभग 20 गांव आते हैं। भवन निर्माण और सामग्री उपलब्ध कराने के बावजूद यह केंद्र वर्षों से नहीं खुला है। ग्रामीण कालीचरण, सियारानी और मिलन यादव ने बताया कि यह केंद्र कई साल पहले खोला गया था, लेकिन न स्टाफ

ही नहीं आया, न लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकीं। बीमारों को 15 किलोमीटर दूर बकस्वाहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक जाना पड़ता है। कई बार वाहन न मिलने पर मरीज की जान पर बन आती है। प्रसव के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि यहां न तो नर्स है, न ही कोई अन्य स्वास्थ्यकर्मी है। ग्रामीणों के अनुसार वे कई बार शिकायतों के बावजूद अब तक कोई समाधान नहीं हुआ।

इनका कहना है

ब्लॉक में 6 ऐसे उप स्वास्थ्य केंद्र हैं, जहां बिल्कुल भी स्टाफ नहीं है। फिर भी इन्हें जल्द चालू कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ सत्यम असाटी
बीएमओ, बक्सवाहा

मैंने शासन को पत्र लिखा है। जल्द ही उपस्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफ की व्यवस्था करके सभी केंद्रों को संचालित किया जाएगा।

डॉ आरपी गुप्ता
सीएमएचओ, छतरपुर

प्रशिक्षण का लाभ बच्चों तक पहुंचाकर उनका ज्ञान बढ़ाएं : वर्मा

छतरपुर, देशबन्धु। नौगांव के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र में पांच दिवसीय आंग्ल भाषा प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इसके माध्यम से अंग्रेजी विषय की शिक्षा देने के सरलतम बिंदु बताए गए।

जिले के सभी विकासखंडों से आए शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को चार मास्टर ट्रेनर ने प्रशिक्षण दिया है। पांचवें दिन समापन अवसर पर डाइट प्राचार्य आरके वर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण से जो बारीकियां सीखी हैं, उनका लाभ अपने विद्यालय के बच्चों तक पहुंचाएं ताकि उनके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान में बढ़ोत्तरी हो सके। मास्टर ट्रेनर अजय मोहन तिवारी, शिवेंद्र निगम, जेपी रैकवार एवं राघवेंद्र सिंह नेअंग्रेजी के महत्वपूर्ण बिंदुओं को सरल ढंग से बताया। आर्टिकल से लेकर टेंस तक विषय वस्तु समझाने की सरल विधियां बताई गई, जिससे बच्चों को आसानी से समझया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान कई गतिविधियों में प्रशिक्षणार्थियों को सहभागी बनाया गया। प्रशिक्षण प्रभारी अलका खरे ने कहा अब अपेक्षा की जा सकती है कि यहां से जो कुछ भी मिला है, वह विद्यालय तक अवश्य पहुंचेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ व्याख्याता ममता चतुर्वेदी, कामिनी सिंह, भारती मैडम, जितेंद्र खरे सहित अन्य डाइट के साथी उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन मार्ग पर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

गंजबासौदा, देशबन्धु। नगर की मुख्य सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों का चलन बढ़ गया है, जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। बीती रात रेलवे स्टेशन मार्ग पर एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि डिवाइडर पर लगी जाली पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि यह घटना रात के समय हुई, जब मार्ग पर लोगों की आवाजाही कम थी। यदि यह हादसा दिन के समय या भीड़भाड़ वाले वक्त में होता तो बड़ा नुकसान हो सकता था। शहर में दुपहिया वाहन चालक भी अकसर तेज गति से वाहन चलाते देखे जाते हैं। स्थानीय लोगों

का आरोप है कि प्रशासन इस संबंध में कोई सख्त कदम नहीं उठा रहा है। वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद और नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन मार्ग सहित आसपास की गलियों में बुलेट और अन्य वाहन तेज गति से चलाए जाते हैं, जिससे पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं। रात के समय मुख्य मार्गों पर तेज रफ्तार में दौड़ते चार पहिया वाहनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। व्यास ने यातायात विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत भी की है। इस मामले पर यातायात प्रभारी निरपत सिंह लोधी ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि तेज रफ्तार वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

फरार आरोपी गिरफ्तार, हथियार जब्त

छतरपुर, देशबन्धु। चौकी पड़रिया थाना सटई पुलिस ने माह सितंबर में ग्राम बसाटा में अवैध 315 बोर देशी कट्टा व 4 जिंदा कारतूस प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल सहित 2 आरोपी भगवान दास यादव उर्फ कदु यादव ग्राम कदवा थाना सटई, राजेंद्र यादव ग्राम ढड़ारी को गिरफ्तार किया था। दोनों एवं एक फरार आरोपी सहित तीन के विरुद्ध आयुध अधिनियम का मामला पंजीबद्ध किया था। पुलिस द्वारा अवैध हथियार प्रकरण में फरार तीसरे आरोपी बक्का उर्फ प्रहलाद यादव पिता मथुरा यादव निवासी ग्राम महाराजगंज को गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त के पास से कारतूस बरामद किया गया है। इस कार्यवाही में एसडीओपी बिजावर अजय रिठौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सटई टीआई आरएन पटेरिया, चौकी प्रभारी पड़रिया एएसआई कमला सिंह, प्रधान आरक्षक कुरबान बेग, आरक्षक मुकेश यादव एवं ग्राम रक्षा समिति टीम की भूमिका खास रही है।

सिंचाई पर संकट: कचरा और मिट्टी से अटी नहर, विभाग ने शुरू की सफाई

टीकमगढ़, देशबन्धु। बड़ागांव धसान क्षेत्र में किसानों को पोखना तालाब से निकलने वाली नहर में पानी न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नहर में वर्षों से जमा कचरा और मिट्टी के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो गया है, जिससे खेत सूखे पड़े हैं और फसलें प्रभावित होने लगी हैं। स्थानीय किसान कमलेश लोधी और सत्येंद्र चौरियाल के अनुसार, बड़ागांव नगर में सिंचाई का एकमात्र सहारा पोखना तालाब है, जिससे सैकड़ों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। नहर की उचित सफाई न होने के चलते पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा था। किसानों की लगातार शिकायतों के बाद जल संसाधन विभाग हरकत में आया। एसडीओ वीरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर नहर का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। गुरुवार को विभाग ने एक जेसीबी मशीन लगाकर सफाई कार्य शुरू करा दिया है।

राष्ट्रीय समूहगान स्पर्धा कल, कई राज्यों की टीमें देंगी प्रस्तुति

छतरपुर, देशबन्धु। भारत विकास परिषद मध्यक्षेत्र के तत्वाधान में 23 नवम्बर को पं मोतीलाल नेहरु विधि महाविद्यालय में क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें कई राज्यों की चयनित टीमें अपनी प्रस्तुति देंगीं।

भारत विकास परिषद् के उपाध्यक्ष डॉ सुमति प्रकाश जैन ने बताया उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्द्र सिंह होंगे। अध्यक्षता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्री विनीत गर्ग करेंगे। अति विशिष्ट अतिथियों में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय राजेश कुमार देवलिया, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी स्वाति निवेश जायसवाल, विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विष्णु प्रसाद सोलंकी और विशिष्ट अतिथि के रुप में राहुल जैन, राष्ट्रीय पर्यवेक्षक संस्कार, सुनील कोठारी क्षेत्रीय अध्यक्ष, देवेंद्र तिवारी प्रांतीय अध्यक्ष, विनोद कुमार दीक्षित अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ एवं योगेंद्र प्रताप सिंह अध्यक्ष शिक्षा प्रसार समिति को आमंत्रित किया है।

जैन ने बताया राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के बाद सांय 4 बजे समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छतरपुर विधायक ललिता यादव पुरस्कार वितरण करेंगीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्रीभारत विकास परिषद विनीत गर्ग करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में विधायक राजनगर अरविंद पटैरिया, विधायक बिजावर राजेश शुक्ला और विधायक महाराजपुर कामाख्या प्रताप सिंह को आमंत्रित किया गया है। अन्य विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रीय पर्यवेक्षक संस्कार डॉ सुरेन्द्र प्रधान, क्षेत्रीय महासचिव सुधीर अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष आलोक टिकरिया, नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, नपा उपाध्यक्ष विकेंद्र वाजपेयी और शिवसेना के जिला प्रमुख मुन्ना तिवारी उपस्थित रहेंगे।

धांधली के बारे में कई बार शिकायतों के बावजूद जांच बेनतीजा

ग्राम पंचायत पलटा में बिना काम कराए लाखों का घोटाला, जांच फाइल में बंद

छतरपुर, देशबन्धु। गौरिहार जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पलटा में सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक ने मिलकर बिना काम कराए लाखों रुपए की धांधली की है। इसकी शिकायतों के बावजूद अधिकारियों ने जांच को पलीता लगाकर उसे फाइल में बंद कर दिया है। इसे लेकर ग्रामीणों में खासा असंतोष है।

ग्रामीणों ने पंचायत में सरपंच नीलम चतुर्वेदी, सचिव कुलदीप मिश्रा और रोजगार सहायक रोविन मिश्रा पर लाखों रुपए की सरकारी राशि का गबन करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने बताया पंचायत में कई विकास कार्यों के लिए राशि निकाली गई, लेकिन काम

अधूरे छोड़ दिए गए। मनरेगा के तहत होने वाले कार्यों में मशीनों का इस्तेमाल कर नियमों का जमकर उल्लंघन किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि इस बारे में लोकायुक्त, कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सहित अन्य विभागों में शिकायतों के 32 आवेदन दिए हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि तीन साल में 8 बार जांच होने के बावजूद किसी भी अधिकारी ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि रोजगार सहायक रोविन मिश्रा आज तक पंचायत में नहीं आया है।

ग्रामीणों ने गिनाए अधूरे काम

ग्राम पलटा के ग्रामीणों ने कई अधूरे कार्यों को गिनाते हुए बताया कि 3.27 लाख रुपए से नाली निर्माण, 5.88 लाख रुपए से पंचायत में बाउंड्री वॉल, 12 लाख रुपए से अधिक के बजट से मंगल भवन और 4.50 लाख रुपए से गौठान के कार्य कराए गए, जो अभी तक अधूरे हैं। मगर इनका पूरा बजट निकालकर जिम्मेदारों ने धांधली कर डाली है।

इतना ही नहीं 5 लाख रुपए पंचायत मेंटेनेंस के लिए भी निकाल लिए गए हैं। ग्रामीण अभिषेक तिवारी सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सरपंच के संबंध क्षेत्र के प्रभावशाली नेताओं से होने के कारण अधिकारी उसके खिलाफ कार्रवाई करने से डरते हैं। ग्रामीणों ने दावा किया है कि अधिकारी सरपंच के साथ मिलकर इस मामले को दबाने में जुटे हैं। इसी कारण कई बार की गई जांच बेनतीजा रही है।

अभिमत

सच्चिदानंद जी की करीब दो दर्जन से ज्यादा किताबें हैं। वे हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखते थे। इन सभी का संग्रह राजकमल से प्रकाशित सच्चिदानंद सिन्हा रचनावली में हुआ है, जो 8 खंडों में है। इसमें अंग्रेजी से अनूदित किताबें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सच्चिदा जी का योगदान विचार निर्माण और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में सदैव ही याद किया जाएगा।

सिर्फ संत नहीं, विचार के लिए समर्पित थे

दे

नवाचार

■ बाबा मायाराम

श के प्रख्यात समाजवादी विचारक सच्चिदानंद सिन्हा का दो दिन पहले 19 नवंबर को निधन हो गया। वे 97 वर्ष के थे। उनका जाना एक बड़ी क्षति है। विशेषकर, उन सामाजिक कार्यकर्ताओं व लोगों के लिए जो विकल्प की खोज में हैं। उन्होंने अपना जीवन समाजवादी विचार निर्माण, लेखन और युवाओं के प्रशिक्षण के लिए समर्पित किया। वैकल्पिक दिशा देने में उनका योगदान अमूल्य है और वह सदैव ही याद किया जाता रहेगा।

मेरा उनसे परिचय 80 के दशक से था। इस दौरान कई बार उनसे मिलने और उन्हें सुनने का सौभाग्य मिला है। उनके साथ यात्रा की हैं, कुछ समय साथ गुजारा है। उनकी किताबें पढ़ीं हैं। वे एक ऐसे मौलिक विचारक थे, जिन्होंने न केवल देश-दुनिया के बारे में सोचा, विचारा और लिखा है, बल्कि आदर्शवादी जीवन भी जिया है।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में उनका जन्म 30 अगस्त 1928 को हुआ। वे छात्र जीवन से ही समाजवादी विचारों की ओर आकृष्ट हो गए थे। महाविद्यालयीन पढ़ाई बीच में ही छोड़कर राजनैतिक कार्यकर्ता बन गए। बम्बई चले गए और वहां मजदूर आंदोलन से जुड़े। उन्होंने मजदूरों की तरह जीवन भी जिया। बम्बई में कई तरह के काम किए, मजदूरी की और रेलवे में खलासी और क्लर्क का काम किया। यहां उनका कई महत्वपूर्ण हस्तियों से परिचय हुआ, साथ मिला। उन्होंने डा. आंबेडकर के चुनाव में जिम्मेदारी भी निभाई।

सच्चिदा जी (सच्चिदानंद सिन्हा) को इसके बाद डॉ.राममनोहर लोहिया ने बुलाया और उनकी पत्रिका मैनकाइंड के संपादक मंडल से जोड़ लिया। इसके बाद सच्चिदा जी कुछ समय मुजफ्फरपुर के पास मणिका गांव में रहे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया और फिर दिल्ली चले गए। दिल्ली में करीब 18 साल रहे।

दिल्ली में उसी दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पढ़ने वाले कुछ युवा भी संपर्क में आए। यह सभी युवा, समाजवादी चिंतक किशन पटनायक व समाजवादी विचारों से जुड़े थे। उनमें से एक सुनील भाई भी थे, जिनके साथ मैंने लम्बे समय तक काम किया है। सुनील भाई ने मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (नर्मदापुरम) जिले में आदिवासियों के बीच काम किया था।

इन दिनों मैं बरगढ़ ओडिशा में हूं, जहां लिंगराज भाई का निवास है। वे किसानों के नेता हैं। और लम्बे समय से पूरावक्ती सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे भी उन दिनों जेएनयू में अध्ययनरत थे। 20 नवंबर को किशन पटनायक की याद में बने समता भवन में सच्चिदानंद सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर लिंगराज भाई ने बताया कि सच्चिदा जी ने अपना पूरा जीवन सार्थक ढंग से जिया।

उन्होंने याद करते हुए कहा कि वे 80 के दशक को याद करते हुए बताते हैं कि दिल्ली में किराये के घर में रहते थे। यह बहुत मामूली घर था, जो छत पर था। सच्चिदा जी के पास कोई सामान नहीं था, स्टोव था, और कुछ बर्तन। स्टोव, मिट्टी तेल से जलता था। उसमें वे खाना पकाते थे। यहां वे बहुत ही सादगी से रहते थे।

वे आगे बताते हैं कि उनका एक ही काम हुआ करता था, पुस्तकालय जाना और पढ़ना और लिखना। इस दौरान उन्होंने कई किताबें लिखीं। वे ऐसे लेखक हैं, जो कई विषयों पर साधिकार लिखते हैं। शायद वे ऐसे अकेले ही ऐसे व्यक्ति होंगे जो इतने विविध विषयों के जानकार हों, उनके विद्वान हों। उनकी करीब दो दर्जन से ज्यादा किताबें हैं। वे हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखते थे। इन सभी का संग्रह राजकमल से प्रकाशित सच्चिदानंद सिन्हा रचनावली में हुआ है, जो 8 खंडों में है। इसमें अंग्रेजी से अनूदित किताबें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सच्चिदा जी का योगदान विचार निर्माण और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में सदैव ही याद किया जाएगा।

लिंगराज भाई ने कहा सच्चिदा जी शारीरिक और मानसिक रूप से अंत तक सक्रिय रहे। देश-दुनिया की समस्याओं से जूझते रहे और वैकल्पिक दृष्टि से उनका विश्लेषण करते रहे। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने सच्चिदा जी से मिलने के लिए मनिका गांव जाने की बात बताई थी, लेकिन अब यह संभव नहीं है।

सच्चिदा जी से मेरा परिचय सुनील भाई ने करवाया था। वे सच्चिदा जी से मिलने उनके गांव मणिका जाया करते थे। वहां से लौटकर सुनील भाई हमें सच्चिदा जी के बारे में बताया करते थे। वहां उन्होंने बहुत से पेड़-पौधे लगाए थे। हैंडपंप से पानी खींचकर खुद उनमें पानी देते थे। बौद्धिक कामों के साथ शारीरिक श्रम को भी वे महत्व देते थे। जैसा कि गांधीजी की सोच भी थी। गांधी की तो नई तालीम की सोच उत्पादक कामों से साथ शिक्षा देने से जुड़ी थी।

जब भी सच्चिदा जी मध्यप्रदेश इटारसी के पास केसला आते थे, तब मैं उनसे मिलने जाता था। 90 के दशक में मैंने केसला में ही पूरावक्ती कार्यकर्ता के तौर पर काम किया था, तब भी उनसे मिलना हुआ था। उसके बाद तो कई बार मिला। कार्यकर्ता शिविर और कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी गरिमामय होती थी। वे कार्यकर्ताओं के सवालों के जवाब देते थे। उनकी शंकाओं व दुविधाओं का समाधान करते थे।

सच्चिदा जी की विद्वता, गहन अध्ययन और चिंतन की तो कोई सानी नहीं है। पर उनका जीवन भी उतना ही सरल, आदर्श से परिपूर्ण, ईमानदार और प्रतिबद्ध था। उनके विचार व जीवन में कोई भेद नहीं था। सादगीपूर्ण व कम से कम दैनंदिन जरूरतें और दूसरों की चिंता करना उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। सरल, शांत और निश्चल मुस्कान ही उनकी पहचान थी।

बरसों पहले एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया था कि उन्होंने घर की बिजली कटवा दी है। इसका कारण उन्होंने बताया कि आमतौर पर बिजली देर रात को रहती है, वह उनके सोने का समय होता है। यानी बिजली के की उस समय जरूरत नहीं होती। वे उनका काम दिन में ही कर लेते थे। वे सालों तक फोन का भी इस्तेमाल नहीं करते थे।

सच्चिदा जी एक पुस्तक उपभोक्तावादी संस्कृति पर है। वे कहते थे यह संस्कृति चीजों की अंतहीन भूख जगाती है, वह नशे की तरह है। मनुष्य का जीवन भोग के लिए नहीं, विचार के लिए है। इसके अलावा, महानगरीय जीवन में एक और किताब है- जिंदगी सभ्यता के हाशिये पर, यह महानगरीय जीवन की समस्याओं की पड़ताल करती है।

सच्चिदा जी ने मौजूदा व्यवस्था को विषमता व आपस में कटुता बढ़ाने वाली बताया। वे मानते थे कि बुनियादी तौर पर सभी आदमी बराबर हैं, इसलिए समता, बराबरी का समाज होना चाहिए। मनुष्य का स्वार्थ भी एक है, इसलिए सबको मिलकर, मतभेद भुलाकर बेहतर दुनिया को बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए।

वे गांधी, जेपी, लोहिया की परंपरा के वाहक थे। 20 वीं और 21 वीं सदी के पुल थे। आजादी के आंदोलन से लेकर मौजूदा समय का इतिहास उनकी आंखों में पढ़ा जा सकता था। उनमें आर-पार देखने की दूरदृष्टि थी। धारा को मोड़ने व सोचने का माद्दा था। देश-दुनिया को देखने का वैकल्पिक नजरिया था। उनकी सोच में समाजवाद का एक देशज रूप था। एक गहरा आत्मविश्वास था, दुनिया को बदलने का।

वे कहते थे दुनिया को गांधी की ओर लौटना होगा। वे गांधी का प्रसिद्ध कथन याद करते थे कि इस धरती पर सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन किसी के लालच के लिए नहीं। जो आज भी प्रासंगिक है। बहरहाल, सच्चिदानंद सिन्हा के विचार व जीवन दोनों की प्रेरणादायी हैं। क्या हम उनसे कुछ सीखना चाहेंगे?

सच्चिदा जी की विद्वता, गहन अध्ययन और चिंतन की तो कोई सानी नहीं है। पर उनका जीवन भी उतना ही सरल, आदर्श से परिपूर्ण, ईमानदार और प्रतिबद्ध था। उनके विचार व जीवन में कोई भेद नहीं था। सादगीपूर्ण व कम से कम दैनंदिन जरूरतें और दूसरों की चिंता करना उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। सरल, शांत और निश्चल मुस्कान ही उनकी पहचान थी।

बीता सप्ताह

15 नवम्बर
- बिहार विधानसभा में एनडीए की बंपरजीत हुई। 243 में 202 सीटों पर एडीए को बढ़ मिली। इंडिया गठबंधन को 35 सीटें मिली।
- दिल्ली लालकिले के धमाके का आरोपी उमर नबी का घर बम से उड़ाया गया।
- विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएन महासचिव एंटोनियों गुटेरस से मुलाकात की।
- फिलीपींस में कालेसेगी तूफान से 232 लोगों की मौत हो गई।

16 नवम्बर
- जम्मू कश्मीर के नौगाम पुलिस थाने में भारी विस्फोट से नौ लोगों की मौत हो गई।
- कोलकाता हाईकोर्ट ने एक सुनवाई में स्पष्ट किया कि नाबालिग भी कर सकते हैं अग्रिम जमानत के लिए आवेदन।
- बिहार में राजद की हार के बाद लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति से संन्यास ले लिया।
- बिहार चुनाव नतीजों के बाद एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 130 अपराध करने वाले विधायक ओर चुके गए 218 विधायक करोड़पति हैं।

17 नवम्बर
- दिल्ली विस्फोट मामले में एनआईए ने आतंकी उमर दल नबी के साथी आमिर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया।
- अटाटी वाधा बगर्डर रिट्रीट सेटेमनी के समय में बदलाव किया गया। अब शाम 4.30 से 5 बजे तक।
- आरक्षण पर सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि अनुसूचित जाति में भी लागू होना चाहिए क्रीमी लेयर।
- धनुष श्रीकांत ने टोक्यो में चल रहे 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलंपिक्स में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता।

18 नवम्बर
- सउदी अरब मक्का-मदीना जा रही बस सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई।
- बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने मौत की सजा सुनाई।
- छग बिलासपुर हाईकोर्ट के महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन भारत ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।
- दुनियाभर में भारतीय मिशनों ने मनाया इंटरनेशनल गीता दिवस 2025

19 नवम्बर
- छग-आंध्र बार्डर पर नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच हुए मुठभेड़ में कुख्यात नक्सल कमांडर माड़वी हिड़मा अपनी पत्नी सहित मारा गया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण में उल्लेखनीय कार्य के लिए पूरे देश में अववल रायपुर को सम्मानित किया।
- छग सरकार ने 200 यूनिट तक बिजली बिल हाफ सुविधा फिर शुरू की।
- लगातार 11वें वर्ष चीन बना दुनिया का सबसे बड़ा कूरियर बाजार।

20 नवम्बर
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस में शामिल हुई।
- पीएम सम्माननिधि की 21वीं किश्त तमिलनाडु के कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती शिखर सम्मेलन कार्यक्रम में पीएम मोदी ने जारी किया।
- भारत ने रूस में दो नए महावाणिज्य दूतावास खोले। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने रूस के येकाते रिनबर्ग और कजान में इन दूतावासों का उदघाटन किया।
- बिहार में नितिश कुमार 10वीं बार मुख्य मंत्री बने। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नितिश कुमार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

21 नवम्बर
- राष्ट्रपति द्रौपद मुर्मू ने छग के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस पर कहा कि आदिवासी संस्कृति को जीवित रखना बहुत जरूरी है।
- सुप्रीमकोर्ट ने कहा कि राज्यपाल विधानसभा से पास विधेयकों को न लटकाएं।
- पं. बंगाल मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के कहा कि एसआईआर खतरनाक और अमानवीय है।
- वित्तीय धोखाधड़ी रोकने अब सरकार ईडी के सयन पर क्येआर कोड जारी करेगी।

बिहार चुनावः सवाल तो जीतने वालों पर भी हैं

■ अरुण कुमार त्रिपाठी

बिहार चुनाव पर देश क्या, पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं। जिनकी भी लोकतंत्र में आस्था है उन्हें यह आशा थी कि बिहार भारत में लोकतंत्र के हरण के धारावाहिक सिलसिले को पलट देगा और फिर शुरू होगा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल से होते हुए उत्तरप्रदेश तक में अन्याय, झूठ और अत्याचार को उखाड़ फेंकने का चक्र, जो आखिर में केंद्रीय सत्ता के परिवर्तन तक जाएगा। लेकिन बिहार में 'महागठबंधन' की भारी पराजय और 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन' की प्रचंड विजय के उपरांत पैदा हुई लोकतांत्रिक शक्तियों की निराशा देखकर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की प्रसिद्ध कविता 'राम की शक्ति पूजा' का स्मरण हो गया।

वही कविता जो 1936 में तब लिखी गई थी, जब भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आशा और निराशा के संमुदर में गोता खा रहा था। महात्मा गांधी को समझ नहीं आ रहा था कि अंग्रेजों से किस प्रकार लड़ा जाए कि जल्दी आजादी मिल जाए। अंग्रेज निरंतर भारत को विभाजित कर रहे थे और गांधी के समक्ष एक ओर मोहम्मद अली जिन्ना की चुनौती थी तो दूसरी ओर सावरकर और तीसरी ओर भीमराव अंबेडकर की।

> **पराजय का सिलसिला और उससे उपजी निराशा इतनी गहरी है कि वे तमाम लोग भी इस विजय को वैधानिक और नैतिक मान रहे हैं जो न सिर्फ दिन-रात लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात करते हैं, बल्कि उसके लिए सड़क से न्यायालय तक सक्रिय भी रहते हैं। ऐसे व्याख्याकारों की लंबी कतार है जो साफ कह रहे हैं कि महिलाओं, अति पिछड़ों और सवर्ण मतों का बड़ा हिस्सा राजग के पक्ष में एकजुट था।**

निराला की कविता में जो निराशा छलकती है उसमें हम इस युग की निराशा के अंश देख सकते हैं। निश्चित तौर पर इस पराजय के बाद हमने 'इंडिया समूह' के नेताओं को रोते हुए नहीं देखा, लेकिन वे उसी प्रकार रो रहे होंगे जैसे रावण से पराजित होकर रण से लौटे राम के नेत्रों से आंसू गिर रहे थे। निराला की कविता में आज की लोकतांत्रिक और अधिनायकवादी शक्तियों के संघर्ष को हम देख सकते हैं।

पराजय का सिलसिला और उससे उपजी निराशा इतनी गहरी है कि वे तमाम लोग भी इस विजय को वैधानिक और नैतिक मान रहे हैं जो न सिर्फ दिन-रात लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात करते हैं, बल्कि उसके लिए सड़क से न्यायालय तक सक्रिय भी रहते हैं। ऐसे व्याख्याकारों की लंबी कतार है जो साफ कह रहे हैं कि महिलाओं, अति पिछड़ों और सवर्ण मतों का बड़ा हिस्सा राजग के पक्ष में एकजुट था। नीतीश कुमार के सामाजिक न्याय के कंधे पर हिंदुत्व ने सवारी कर रखी थी इसलिए इसे जीतना ही था।

राहुल गांधी विदेश चले गए, 'एसआईआर' पर शुरू में यात्रा की, लेकिन बाद में उसे मुद्दा नहीं बना पाए, उतनी मेहनत नहीं कर पाए जितनी 'एनडीए' के नेताओं ने की, टिकट ठीक से नहीं बांटा, तेजस्वी को मुख्यमंत्री पहले नहीं घोषित किया, जंगल राज का खौफ वगैरह-वगैरह। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना ने चमत्कार किया और बड़ी संख्या में महिलाओं ने पुरुषों से अलग होकर वोट दिया।

जब ऐसी योजनाएं महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश में काम कर सकती हैं तो बिहार में क्यों नहीं। फिर ऐसी योजनाओं का हथकंडा तृणमूल कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा अपनाता है तो जनता दल (एकी) के अपनाने में क्या दिक्कत है। नीतीश कुमार को जनता ने शानदार विदाई दी और आपरेशन सिंदूर से लेकर दूसरे मोर्चों तक प्रकट भाजपा और संघ के राष्ट्रवाद की काट न तो जाति जनगणना से की जा सकती है और न ही नौकरियां देने के खोखले वादे से।

इन तमाम तर्कों ने पूर्व निर्धारित इस प्रचंड जीत को सही साबित करना और विपक्ष और उसके नेताओं को नकारा बताना शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया में उस हिंसक और निम्नस्तरीय भाषा की अनदेखी की जा रही है जिसका प्रयोग चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और उनके केंद्रीय मंत्रियों ने किया। इस बात की भी अनदेखी की जा रही है कि बीच चुनाव में महिला रोजगार योजना की राशि खाते में दिया जाना 'आदर्श आचार संहिता' का स्पष्ट उल्लंघन है।

इस बात की भी उपेक्षा हो रही है कि इस दौरान अपराधियों ने किस प्रकार चुनाव को न सिर्फ प्रभावित किया, बल्कि चुनाव में विजय भी हासिल की। इस बात पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि महिलाओं के खाते में दस हजार की राशि स्थानांतरित करने के अलावा धनबल और सरकारी बल का अनौपचारिक रूप से कितना प्रचंड प्रयोग हुआ।

इस बीच 'एसआईआर' के मुद्दे के प्रभावहीन होने का भी सारा दोष विपक्ष पर ही मढ़ा जा रहा है। न तो उस प्रक्रिया में काटे गए और जोड़े गए नामों पर चर्चा हो रही है और न ही इस बात पर चर्चा हो रही है कि चुनाव आयोग किस प्रकार निरंतर पारदर्शिता से दूर चुनावों को सत्तारूढ़ दलों के जश्न और विपक्ष के शोक का आयोजन बनाता जा रहा है। असल में बिहार के इन चुनाव परिणामों ने एक बात को प्रमाणित कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र में न सिर्फ संस्थाएं भ्रष्ट और अनैतिक हुई हैं, बल्कि समाज भी अनैतिक और भ्रष्ट हुआ है।

बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि नीतीश कुमार ने स्त्रियों के सबलीकरण के बहाने स्त्रियों को भी मरते हुए लोकतंत्र के प्रति संवेदनहीन बना दिया है। अगर महिलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर छीने जा रहे संवैधानिक अधिकारों की पीड़ा नहीं दिखती और खाते में आई हुई रकम से वोट को बेच देने की सौदेबाजी ज्यादा ठीक महसूस होती है तो फिर मान लेना चाहिए कि नीतीश कुमार ने अपनी सत्ता के लिए समाजवाद, सामाजिक न्याय और नारी सशक्तिकरण को पूंजीवाद और हिंदुत्व की चेरी बना दिया है।

बिहार से लोकतंत्र की वापसी की आशा वे लोग लगाए हुए थे जिनके मन-मानस में यह स्मृति है कि बिहार अन्याय के विरुद्ध क्रांति की भूमि है। वे जिनके अवचेतन में कहीं बुद्ध बसे हैं, कहीं महावीर तो कहीं वैशाली और लिच्छिवियों का गणतंत्र है। जो यकीन करते हैं कि यही वह धरती है जहां से वीर कुंवर सिंह अंग्रेजों की गुलामी खत्म करने निकले थे। जहां बिरसा मुंडा और सीधू कान्हूं ने उलगुलान किया था। जहां पीतांबर और नीलांबर ने सत्तावन में क्रांति का बिगुल बजाया था।

जहां महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह शुरू किया और जहां जयप्रकाश नारायण पैदा हुए जिसके बारे में दिनकर ने लिखा था कि जिसके चरण चिह्न इतिहास अपने उर पर अंकित कर लेता है। वही जयप्रकाश जिन्होंने लोकतंत्र को नया रूप देने के लिए 1974 में 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया। वहीं जहां बाबू राजेंद्र प्रसाद जैसे देशभक्त पैदा हुए।

इस देश की नैतिक लोकतांत्रिक शक्तियां यह भूल रही हैं कि रावण के आमंत्रण पर उसके पक्ष में युद्ध करने के लिए पूंजीवाद और फासीवाद की प्रचंड शक्तियां मैदान में उतर चुकी हैं। वे रावण को अंक में लेकर घूम रही हैं। अविभाजित बिहार पहले अपने खनिजों के कारण आंतरिक उपनिवेश बना था, अब पश्चिमी तट के कारपोरेट द्वय और राजनेता द्वय के लिए चारागाह बनने की तैयारी में है। बिहार क्या, पूरा देश इन शक्तियों के चंगुल में फंस चुका है। पंजाब और हरियाणा से प्रतिरोध जरूर उभरता है, लेकिन वह चुनावी विजय और राजनीतिक सत्ता के परिवर्तन तक पहुंच नहीं पाता।

डॉ. आंबेकर ने कहा था कि- लोकतंत्र न तो सिर्फ चुनावी प्रणाली है, न ही सिर्फ संस्थाओं से निर्मित होता है। वह निर्मित होता है एक ऐसे समाज से, जहां पर भाईचारा होता है, जहां होती है पारदर्शिता और सामाजिक, आर्थिक समानता। वह एक प्रणाली से अधिक संस्कृति है। आज धनबल, सत्ताबल और हिंसक भाषा के प्रहार से घायल लोकतंत्र अपनी प्राण रक्षा के लिए छटपटा रहा है। उस रक्षा की आशा सिर्फ बिहार से करना कुछ अधिक ही था। इसलिए देश की लोकतांत्रिक शक्तियों को बिहार को क्षमा करते हुए अलोकतांत्रिक शक्तियों की नकल नहीं करनी चाहिए। उन्हें नैतिक शक्तियों की आराधना करते हुए साधन की पवित्रता के साथ इस लंबी लड़ाई को चलाना चाहिए।

(लेखक पत्रकार एवं 'महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय' में प्रोफेसर रहे हैं।)

बिहार चुनाव : संदेह के बने रहने से लोकतंत्र को नुकसान

भारत में एक समय था जब चुनाव परिणाम चाहे जो भी हों, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) युद्ध का सर्वमान्य विजेता और भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं का मुख्य रक्षक माना जाता था। ईसीआई शुरुआत में शांत था, फिर मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के कार्यकाल में एक शेर बन गया और तब से इसने एक प्रखर रक्षक और भारत की लोकतांत्रिक सफलता के लिए आवश्यक तत्व- चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र मध्यस्थ के रूप में अपनी छवि को बनाए रखा है। चुनाव का समय आते ही राजनीतिक दल अपनी सीमाओं की परीक्षा लेते हैं, लेकिन ईसीआई डटकर खड़ा होता था। वह यह सुनिश्चित करता कि उल्लंघनों की पहचान हो और वास्तव में जांच और निगरानी को बढ़ाता था ताकि प्रक्रिया न केवल निष्पक्ष हो बल्कि ऐसी दिखाई भी दे। अब उस स्वर्णिम युग को भारतीय चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा न रह जाने के रूप में देखे जाने की संभावना है। इस हार के कुछ निहितार्थ हैं जिन्हें ईसीआई पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा है, जिसने खुद को ऐसे विवादों के भंवर में घसीटने दिया है जिनकी उसे आवश्यकता नहीं थी।

आज चुनावों की समाप्ति के साथ ही परिणामों को लेकर एक नई लड़ाई शुरू हो गई है, एक ऐसी गिरावट जो संपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था और एक युवा राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास के लिए गंभीर चिंता का विषय होनी चाहिए, जिसने स्वतंत्रता के बाद से सफलतापूर्वक एक उचित और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया संचालित की है।

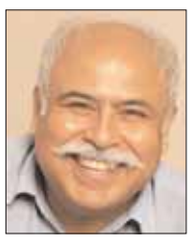

जगदीश रतनानी

> **चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के मुद्दे पर बढ़ते विवाद को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। एक ऐसा चुनाव आयोग, जिसका बचाव इन दिनों केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है और जो अन्यथा बदनाम है, एक गहरी क्षति है जिसे भाजपा या उसके सहयोगियों के विजय उत्सवों से नहीं धोया जा सकता। विजेताओं को यह एहसास नहीं है कि भले ही वे जीत गए हों, लेकिन उनसे भी पुरस्कार छीन लिया गया है।**

बिहार विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन द्वारा लगभग पूर्ण विजय भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में व्याप्त कमियों के कारण धूमिल हुई है। इसलिए ये परिणाम राष्ट्र को जटिल संकेत भेजते हैं। ये संदेह का कारण बन जाते हैं। अब यह संभव नहीं है कि एक पक्ष हारने वाले द्वारा उचित स्वीकृति के साथ नए कार्यकाल के लिए शपथ ले, जो लोगों के जनादेश और उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला करने की उनकी शक्ति- इन दोनों के आगे झुकना है। ये व्यवस्था की अखंडता, जनता की इच्छा को पढ़ने और लागू करने में उसकी अंतहीनता को छीन लेते हैं और इस प्रकार न केवल हारने वालों के साथ बल्कि विजेताओं और समग्र रूप से राजनीतिक व्यवस्था के साथ भी अन्याय करते हैं। इस मामले में चुनाव आयोग ने खुद को उन आरोपों और संदेहों से दूर न रखकर सभी पक्षों को निराश किया है जो अब उसके विभिन्न कार्यों पर छा रहे हैं।

बिहार में भी, जैसा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के पिछले चुनावों में हुआ है, जीतने वाली पार्टी को इन आरोपों का सामना करना पड़ेगा कि उन्होंने एक ऐसे अंपायर को आसानी से हरा दिया जिसकी भूमिका पर अभी भी तीखा विवाद चल रहा है, जिससे पूरी चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सवालों के घेरे में आ गई है। विपक्ष का ये आरोप 'अंगूर खट्टे हैं' वाली बात से परे है और वे अब हाल के चुनाव अभियानों और नतीजों का एक बढ़ाता हुआ हिस्सा बन गए हैं, जिससे भारतीय लोकतंत्र अपनी उन्हीं संरचनाओं से ख़तरे में पड़ गया है जिनका काम इसे सुरक्षित और मज़बूत बनाना है।

एक ओर बिहार 2025 के विधानसभा चुनावों के स्पष्ट आंकड़े नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा मशीनरी के ज़बरदस्त प्रभुत्व और गठबंधनों, संदेशों और छवि निर्माण में उसकी महारत को दोहराते हैं। इसकी सामान्य खूबियों के अलावा 'बिहार केन्द्रित' कई कारण भी गिनाए जा रहे हैं, जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कथित लोकप्रियता या लंबी सेवा, ऐन चुनाव के दौरान बिहार की 75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिये जाने से भाजपा-एनडीए को बड़ा चुनावी लाभ दिलाया और सब कुछ बदलकर रख दिया। इसने शराबबंदी और राज्य भर में बेहतर कानून-व्यवस्था के दावों जैसे दीर्घकालिक उपायों की बजाय कथित तौर पर महिला मतदाताओं का दिल जीत लिया।

यह मानक पूर्वव्यापी प्रभाव-पश्चात अध्ययन, जो चुनाव में सत्ताधारी दलों द्वारा दिए गए तर्कों पर आधारित है, कुछ जमीनी हकीकतों को दर्शाता है; लेकिन क्या यह उस भारी जीत की व्याख्या कर सकता है, जिसने एनडीए गठबंधन को 243 में से 202 सीटें दिला दीं, जिसमें भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे आगे थी और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) 85 सीटों के साथ शीर्ष पर थी?

प्रतिवादस्वरूप, जो उतना ही मान्य है, यह पूछेगा कि 9 बार मुख्यमंत्री रह चुके एक व्यक्ति, जिन्हें उनके बदलते संबंधों के लिए 'पलटूराम' कहा गया और जिनकी आलोचना की गई है कि वे नियंत्रण में नहीं हैं या भाजपा द्वारा 'अपहृत' कर लिए गए हैं, इतनी बड़ी जीत कैसे दिला सकते हैं? भाजपा की बेहतर रणनीति और व्यवस्था में मौजूद संसाधनों की रीढ़ को देखते हुए भी, यह एक ऐसी सत्ता थी जिसने बिहार को विशेष रूप से फलते-फूलते नहीं देखा। युवाओं के लिए नौकरियों की कमी या निवेश की कमी उस सिक्के का दूसरा पहलू है जो उपहारों और रियायतों से मतदाताओं की वफादारी खरीदता है, भले ही ये दीर्घकालिक शासन और राजकोषीय प्रबंधन को नुकसान पहुंचाए। 'काम के लिए पलायन' बिहार के लिए अभिशाप बना हुआ है और यह राज्य में आम जनता के लिए अच्छे रोज़गार प्रदान करने के अवसरों की कमी को दर्शाता है। भारतीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान, मुंबई द्वारा 2019 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, बिहार में मौसमी प्रवास अधिक प्रचलित है। मध्य गंगा के मैदान में देखे जाने वाले 72.8 प्रतिशत मौसमी प्रवासी राज्य से आते हैं। इसके कारण हैं- गरीबी और मजबूरी, बेरोजगारी, भूमिहीनता और भोजन की कमी। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि राज्य की ऐतिहासिक प्रतिकूलताओं में हाल के वर्षों में नाटकीय बदलाव आया है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि विपक्षी दलों में कुछ अव्यवस्था ज़रूर थी, लेकिन राजद-कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव की रैलियों में ऊर्जा भी देखी गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोट अधिकार जागरूकता रैलियों को भी ज़मीनी स्तर पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली। गांधी ने बाबू जगजीवन राम के राजनीतिक गृह सासाराम से 'मतदान के अधिकार' आंदोलन की शुरुआत की और बिहार के लगभग 20 ज़िलों को कवर किया। चुनाव के बीच में यह आंदोलन चुनाव आयोग में विश्वास की कमी को दर्शाता है, जिससे हाल के वर्षों में चुनाव-दर-चुनाव आयोग के नैतिक अधिकार को कमज़ोर किया गया है।

चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के मुद्दे पर बढ़ते विवाद को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। एक ऐसा चुनाव आयोग, जिसका बचाव इन दिनों केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है और जो अन्यथा बदनाम है, एक गहरी क्षति है जिसे भाजपा या उसके सहयोगियों के विजय उत्सवों से नहीं धोया जा सकता। विजेताओं को यह एहसास नहीं है कि भले ही वे जीत गए हों, लेकिन उनसे भी पुरस्कार छीन लिया गया है क्योंकि जब संदेह बना रहता है, तो जीत भी बेकार होती है। इससे लोगों और राजनीतिक दलों में जो आक्रोश पैदा होता है, वह आने वाले दिनों में कुछ बहुत ही जटिल और चुनौतीपूर्ण तरीकों से सामने आएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और एसपीजेआईएमआर में संकाय सदस्य हैं। (द बिलियन प्रेस))

प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों से राज्यपाल ने कहा

व्यवहारिक ज्ञान वंचित, पिछड़े और गरीब व्यक्तियों से मिलता है

भोपाल, देशबन्धु। पूरी एकाग्रता और समर्पण के साथ सीखना ही भावी जीवन की सफलताओं का आधार है। प्रशिक्षण के दौरान छोटी सी चूक भविष्य की बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। यह बात आज राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कही। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता पूर्वक किए सेवा कार्यों से आत्मिक आनंद मिलता है। भौतिक सुविधाओं का सुख क्षणिक होता है। हर समय, हर समाज में अच्छे व्यक्तियों का सदैव सम्मान होता है। श्री पटेल ने कहा कि भावी जीवन में सदैव सीखने और अनुभवों से समझने का भाव रहना चाहिए। उन्होंने कहा क महत्वपूर्ण उपयोगी व्यवहारिक ज्ञान समाज के सबसे वंचित, पिछड़े और गरीब व्यक्तियों से ही मिलता है। श्री पटेल आज राजभवन में आए आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सिविल सेवक सरकार और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। सुशासन का आधार होते हैं। सुशासन की प्राथमिक आवश्यकता है कि अधिकारी संवेदनशीलता, विवेक, न्यायोचित व्यवहार और तथ्यों के आधार पर निर्णय करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा योजनाओं का निर्माण वंचित, गरीब और पिछड़े व्यक्तियों, समुदायों की मदद और उत्थान के उद्देश्यों से होता है। योजना की मंशा के भाव, भावनाओं और हितग्राही की परिस्थितियों को समझे बिना उनके स्वरूप के निर्धारण और क्रियान्वयन से समस्याएं उत्पन्न होती है। उन्होंने नल-जल और आवास योजनाओं के प्रसंग के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को क्रियान्वयन की जमीनी हकीकतों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सफलता कमरों में रहकर कार्य से नहीं मिलती। क्षेत्र का सघन भ्रमण जरूरी है।

राज्यपाल के समक्ष प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर सुश्री कविता यादव और निशांत भूरिया ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। आभार प्रदर्शन सह-प्रशिक्षण संचालक सुश्री रुचि जैन ने किया। राज्यपाल को अकादमी संचालक ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी और अपर सचिव उमाशंकर भार्गव भी मौजूद थे।

प्रशिक्षण में 2 दर्जन डिप्टी कलेक्टर शामिल

श्री पटेल को आर.सी.व्ही.पी. प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी के संचालक मुजीबुर्रहमान खान ने प्रशिक्षण के स्वरूप और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई से 19 दिसम्बर तक के लिए आयोजित परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 24 डिप्टी कलेक्टर शामिल है। मैदानी चुनौतियों और स्वच्छ प्रशासन के लिए नियमों, प्रावधानों और सॉफ्ट सिकल, अंतर्विभागीय समन्वय के विभिन्न आयाम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सम्मिलित है। प्रशिक्षार्थियों को पुलिस ट्रेनिंग, भू-सर्वेक्षण और विकासात्मक गतिविधियों से परिचित कराने प्रदेश के विभिन्न जिलों और तेलंगाना राज्य का भ्रमण भी कराया गया है।

ओंकारेश्वर में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का हुआ शुभारंभ

उज्जैन से ओंकारेश्वर 40 मिनट में पहुंचे यात्री

सांसद और विधायक ने किया स्वागत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने और पर्यटकों को त्वरित, सुगम और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर भोपाल से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ किया था। इसके तहत ओंकारेश्वर में शुक्रवार को हेलीकॉप्टर से उज्जैन से 5 तीर्थ यात्रियों ने 40 मिनट में ओंकारेश्वर पहुंचकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। तीर्थ यात्रियों का आगमन खण्डवा के ग्राम कोठी के हेलीपैड पर हुआ। जहां खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और मांधाता विधायक नारायण पटेल ने हेलीकॉप्टर से आने वाले सभी तीर्थ यात्रियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के शुभारंभ अवसर पर सांसद श्री पाटिल ने कहा कि आज का दिन खंडवा जिले और ओंकारेश्वर के नागरिकों के लिए गौरव का दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में ओंकारेश्वर में विकास कार्य लगातार जारी हैं। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम विकसित हो रहा है, नर्मदा किनारे घाटों का सौंदर्यीकरण का कार्य लगातार जारी है। सिंहस्थ-2028 प्रारंभ होने से पहले ओंकारेश्वर फोरलेन सड़क से तो जुड़ ही जाएगा, साथ ही ओंकारेश्वर रोड रेलवे स्टेशन भी शीघ्र ही प्रारंभ होगा, जिससे रेल मार्ग से आने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। उन्होंने पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया।

अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा ने इस अवसर पर बताया कि इस नई सुविधा से पर्यटकों को कम समय में अधिक गंतव्यों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। इस सेवा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उज्जैन और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग तक की यात्रा अब मात्र 20 से 40 मिनट में संभव होगी। इंदौर से उज्जैन तक 20 मिनट की उड़ान का अनुमानित किराया 5 हजार रूपये, उज्जैन से ओंकारेश्वर तक 40 मिनट की उड़ान का किराया 6500 और ओंकारेश्वर से इंदौर लौटने का किराया लगभग 5500 रूपये रखा गया है। पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का लाभ लेकर श्रद्धालु एक ही दिन में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन आसानी से कर सकेंगे।

सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक से 68 लाख रुपए ठगे

भोपाल, देशबन्धु। शाहपुरा इलाके में रहने वाले सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक के साथ डिजिटल अरेस्ट (कृतिम रूप से गिरफ्तार) कर 68 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। बताया गया हे कि आरोपियों ने खुद को भोपाल पुलिस बता कर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने स्टेट साइबर में शिकायत दर्ज कराई है। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय दयाराम देशमुख शाहपुरा में रहते हैं। वह बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त प्रबन्धक हैं। सोमवार को अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और स्वयं को भोपाल पुलिस अधिकारी बताकर उनके कार्यकाल के दौरान हुए चार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में जेल भेजने की धमकी दी। आरोपियों ने उनकी बहन को भी जान का खतरा होने की चेतावनी दी। इससे दयाराम देशमुख घबरा गए और पूरी घटना अपनी पत्नी को बताई। बाद में आरोपियों ने जांच में सहयोग का भरोसा दिलाया और उन्हें एक कमरे में डिजिटल अरेस्ट (कृतिम रूप से गिरफ्तार) रखा। इसके बाद उनके मोबाइल में सिग्नल ऐप डाउनलोड कराया गया और वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे पूछताछ की गई। पूरी घटना को असली दिखाने के लिए पूछताछ करने वाला व्यक्ति पुलिस अधिकारी की तरह वर्दी पहने ऑफिस में बैठा था। आरोपियों ने भरोसा दिलाया कि यदि वे जांच में सहयोग करेंगे तो उन्हें बचा लिया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सुरक्षा राशि के तौर पर कुछ रकम अपने बताए खातों में जमा करने को कहा। इसके बाद मंगलवार को दयाराम अपनी पत्नी के साथ बैंक पहुंचे और पांच अलग-अलग एफडीओ से करीब 68 लाख रुपए आरोपियों के बताए खातों में जमा कर दिए। आरोपियों ने कहा कि अब किसी तरह का खतरा नहीं है, लेकिन जांच पूरी होने तक किसी को इस बारे में जानकारी नहीं देनी है।

रोहिणी कलम आत्महत्या मामला : प्रीतम सिंह की गिरफ्तारी से गुत्थी सुलझने की उम्मीद

कोच की सरगर्मी से तलाश कर रही पुलिस

देवास/भोपाल, देशबन्धु। मार्शल आर्ट की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रोहिणी कलम आत्महत्या मामले में पुलिस द्वारा बुधवार को जुजित्सु संघ के उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह की गिरफ्तारी से गुत्थी सुलझने की उम्मीद बंधी है। रोहिणी ने 26 अक्टूबर को देवास स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका के पास कोई सुसाइट नोट न मिलने से शुरुआत में इस मामले में जांच में दिक्कत आ रही थी। रोहिणी के परिजनों को शक था कि प्रीतम सिंह और कोच विजेन्द्र खरसोदिया ने रोहिणी को आत्महत्या के लिए उकसाया था।

पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने प्रीतम और विजेन्द्र के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध दर्ज किया था। पुलिस

ने प्रीतम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि कोच की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी कोच को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

थाना प्रभारी अमित सोलंकी के मुताबिक जांच में प्रताड़ना की बात सामने है। कोच विजेन्द्र रोहिणी को बीमारी के बाद भी प्रतियोगिताओं में भेजने का दबाव बनाते थे और उसे आराम नहीं करने देते थे। वहीं, प्रीतम सिंह रोहिणी को किसी और से बात नहीं करने देते थे, जिसके चलते रोहिणी गहरे तनाव में थी। आत्महत्या से ठीक पहले भी रोहिणी की प्रीतम सिंह से फोन पर बात हुई थी, इसके बाद ही उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। इस मामले परिजनों ने 3 बार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के साथ ही प्रीतम और विजेद्र के कॉल डिटेल निकलवाने की मांग की थी। जांच में यह बात सामने आई कि रोहिणी की इन्हीं दोनों से ज्यादा बात होती थी।

अबू धाबी में जीता था कांस्य

रोहिणी ने वर्ष 2007 में खेल जीवन की शुरुआत की थी और 2015 से पेशेवर रूप से प्रतियोगिताओं में भाग ले रही थीं। उन्होंने पिछले वर्ष अबू धाबी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। वह जुजित्सु संघ की महासचिव भी थीं और वर्तमान में आष्टा के एक निजी स्कूल में मार्शल आर्ट कोच भी थीं। वह 4 बहनों में सबसे बड़ी थीं।

विधायक हीरालाल ने लिखा था मुख्यमंत्री को पत्र

मनावर क्षेत्र से विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर रोहिणी की आत्महत्या से पहले उनके साथ मारपीट और उत्पीड़न के संबंध में गहन पूछताछ और न्यायिक जांच के आदेश देने की मांग की थी।

डॉ. अलावा ने पत्र में रोहिणी की छोटी बहन रोशनी कलम के हवाले से जुजुत्सु संघ के पदाधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। डॉ. अलावा को रोशनी ने बताया कि रोहिणी आत्हत्या से एक दिन पहले शनिवार दोपहर 3 बजे के करीब घर आई थी, उन्होंने कहा था कि घर के सभी लोगों को कह दो कि यदि विजेन्द्र सर, वेदांत, प्रीतम सिंह सोलंकी अथवा क्लब का कोई सदस्य मेरे बारे में फोन लगाकर पूछे कि मैं किस समय घर पर आई हूं तो उन्हें वास्तविक समय नहीं बताना बल्कि कह देना कि 2 बजे घर आई थी। विजेन्द्र रोहिणी के आने जाने पर नजर रखते थे। रोशनी के हवाले से विधायक अलावा ने इस बात का भी उल्लेख किया कि रोहिणी के पेट में गठान थी, ऑपरेशन के बाद भी उन्हें आराम नहीं करने दिया जाता था। रोहिणी को कहीं न कहीं किसी काम का कहकर अपने साथ लेकर जाते थे, जिम्मेदारी अथवा किसी दवाब की वजह से रोहिणी मना नहीं कर पाती थीं। परिजनों की मांग है, कि रोहिणी की आत्महत्या के पूर्व उनके साथ मारपीट और उत्पीड़न की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में अभ्युदय मध्यप्रदेश के दर्शन

मध्यप्रदेश की विरासत से विकास की झांकियां बनीं आकर्षण का केंद्र

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकसित भारत2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अग्रसर है। सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम मध्यम उद्योग मंत्री चैतन्य काश्यप ने 44वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश दिवस के अवसर पर यह बाते कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 18 नई नीतियां बनाई है, जो निवेशमित्र है और निवेशकों को आकर्षित करती हैं। मंत्री श्री काश्यप ने मध्यप्रदेश मंडप का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर मंडप का भ्रमण किया। इस अवसर पर मंदसौर की सांसद श्री सुधीर गुप्ता, और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

अभ्युदय मध्यप्रदेश के दर्शन प्रगति मैदान दिल्ली में चल रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में किए जा सकते हैं। %एक भारत-श्रेष्ठ भारत% थीम पर 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले मेला में मध्यप्रदेश की विरासत से विकास की अद्भुत झांकी, एक जिला-एक उत्पाद और परम्परागत कलाकृतियों आगंतुकों को आकर्षित कर रही है। मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है। यहां कि ऐतिहासिक धरोहर, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, धार्मिक और

सांस्कृतिक स्थल, लोक परम्पराओं की समृद्धि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प एक भारत-श्रेष्ठ भारत को न केवल पूरी कर रही है अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर इसे अग्रणी स्थान दिला रही है।

अमेरिका से प्रकाशित एक प्रतिष्ठित पत्रिका ने विगत वर्ष मध्यप्रदेश को दुनिया के टॉप 10 टूरिज्म डेस्टिनेशन में शामिल किया जो गौरव का विषय है। इस सन्दर्भ का उल्लेख प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 25 दिसम्बर को खजुराहो में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेई की जयंती कार्यक्रम में किया गया था। 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश मण्डप ग्वालियर किला के रूप में तैयार किया गया है। मण्डप के केन्द्र में 64 योगिनी मन्दिर मुरैना के दर्शन होते है। मण्डप को मेले की थीम %एक भारत-श्रेष्ठ भारत% के अनुरूप सजाया गया है। लुटियन्स ने जब भारतीय संसद भवन का डिजाइन तैयार किया था तब उन्होंने भारत वर्ष की प्रसिद्ध इमारतों के डिजाईन बुलवाये थे, जिसमें से उन्होने मुरैना जिले के 64 योगिनी मन्दिर का चयन कर भारतीय संसद भवन का निर्माण कराया था। मण्डप में मध्यप्रदेश की विश्व धरोहार खजुराहों, सांची स्तूप एवं भीमबेटका के साथ प्रस्तावित धरोहर स्थलों, विभिन्न सांस्कृतिक माहोत्सव, हस्तशिल्प, हाथकरघा, जी.आई. ओ.डी.ओ.पी. उत्पादों को भी सजाया गया है।

मंडप में इन उत्पादों को होलोग्राफिक इमेज से भी प्रदर्शित किया जा रहा है। इन उत्पादों की बिक्री भी हो रही है। इसमें राज्य शासन की विभिन्न नीतियों एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। मण्डप में औद्योगिक विकास के साथ पर्यटन की भी पूर्ण जानकारी प्रदर्शित की गयी है। मण्डप में सिंहस्थ-2028 की तैयारी को भी दर्शाया गया है। इन्दौर के जी.आई. उत्पाद, चमड़े के खिलौने एवं टेराकोटा के उत्पाद भी प्रदर्शित किये गये है। स्टार्ट-अप भी अपने उत्पादों का प्रचार और विक्रय कर रहे हैं। मध्यप्रदेश मण्डप, निर्मित विरासत, सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय विरासत एवं वन्य जीवन को आकर्षक रूप से प्रदर्शित करता है। मण्डप जहां एक ओर प्रदेश की गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित कर रहा है वही दूसरी ओर सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का संदेश भी दे रहा है। यही कारण है कि मेले में इस बार फिर मध्यप्रदेश मण्डप दर्शकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। यहां अभ्युदय मध्यप्रदेश की झलक स्पष्ट देखी जा सकती है।

मध्यप्रदेश के लोक नृत्य की धूम

मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध लोक नृत्यों की धूम पूरे अंतर्राष्ट्रीय मेले में मची हुई है। मटकी लो नृत्य, पनिहारी लोक नृत्य और बघेली लोक गायन जैसे पारंपरिक नृत्यों ने लोगों का मन मोह लिया है। मटकी लोक नृत्य में महिलाएं रंग-बिरंगे पारंपरिक वेशभूषा में चेहरे पर घूंघट डाले, ढोल की थाप पर एक खास लय में नृत्य करती हैं। यह नृत्य आड़ा-खड़ा और रजवाड़ी के नाम से भी जाना जाता है। पनिहारी लोक नृत्य महिलाओं के जीवन को चित्रित करता है, जो पानी के घड़े दूर से लाती हैं। इसके गीत भी पानी और बारिश के महत्व के बारे में हैं। श्रीमती शीला बरनाठी बघेली लोक गायन की प्रसिद्ध लोक गायिका बघेली लोक गायन मध्यप्रदेश के रीवा, सतना, शहडोल, सीधी, अनुग्रह और उमरिया जिलों में प्रचलित है।

अमृत हरित महाअभियान के लिये संभागवार बैठकें, स्थानीय नर्सरियों को सुदृढ़ करने के निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को वर्ष 2026 के लिये व्यापक पौधरोपण अभियान की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में संभागीय स्तर पर कार्यशाला आयोजित करने का सिलसिला शुरू हो गया है। आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे 28 नवम्बर को सागर में अमृत हरित महाअभियान पर केन्द्रित बैठक में तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे। ग्वालियर में पिछले दिनों नगरीय निकायों के अमृत हरित महाअभियान के नोडल अधिकारी और फील्ड स्टाफ की हुई बैठक में ग्वालियर और चंबल संभाग की तैयार की गई कार्ययोजना पर चर्चा हुई। बैठक के बाद हुई कार्यशाला में अमृत मित्र महिलाओं को पौधों की सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। ग्वालियर चंबल संभाग के 59 नगरीय निकायों में पिछले वर्ष 3 लाख 50 हजार विभिन्न किस्मों के पौधों का रोपण हुआ था। कार्यशाला में ग्वालियर नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय ने वर्ष 2026 के लिये तैयार की जा रही कार्ययोजना की जानकारी दी। जबलपुर में 5 दिसम्बर को और इंदौर में 10 दिसम्बर को कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इन कार्यशालाओं में स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। नगरीय निकायों द्वारा वर्ष 2026 में सीवरेज, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और ओवरहेड टेंक के साथ जलसंरचनाओं के आस-पास की भूमि पर व्यापक पौधरोपण की तैयारी किये जाने के लिये कहा गया है।

CHANGE OF NAME

I, KUMARI ANKITA YADAV, IS DAUGHTER OF ARMY NO-10390181L, RANK-EX-HAV NAME RADHE SHYAM YADAV SERVED IN 151 INF BN (TA) JAT PRESENTLY RESIDING AT-VILL.-NARWANI, POST-GAMBHIIRIYA, TEHSIL-SAGAR, DIST. SAGAR., STATE -MADHYA PRADESH, PIN CODE-470004. THAT I HAVE CHANGED MY NAME FROM **KUMARI ANKITA YADAV TO ANKITA YADAV** DUE TO TALLY WITH AADHAR CARD AND OTHER DOCUMENTS.MY DATE OF BIRTH IS 22/08/2007(TWENTY TWO AUGUST TWO THOUSAND SEVEN). THAT BOTH NAMES **KUMARI ANKITA YADAV AND ANKITA YADAV** PERTAIN TO ONE AND THE SAME PERSON. VIDE AFFIDAVIT DATED 21-11-2025 BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार रामदयाल पटैल पुत्र स्व. बिहारी पटैल निवासी ग्राम कनेरादेव तहसील व जिला सागर (म.प्र.)(क्रेता) को इककारकर्ता भूपेंद्र कुमार चौबे पिता आर.एन. चौबे उम्र 76 वर्ष, निवासी- मकान नं. 21, मालवीय नगर रोशनपुरा चौराहा हुजूर तह. हुजूर जिला भोपाल म.प्र. 2. सुनीला चौबे पुत्री भूपेंद्र कुमार चौबे उम्र 45 वर्ष, निवासी- ए.एन. 83, राजहंस कॉलोनी बैरागढ़, चिचली, जिला भोपाल म.प्र. (विक्रेता) ने अपने अधिपत्य व स्वामित्व हक की भूमि स्थित मौजा तिली माफी प. ह. न. 63 सर्किल सागर तहसील व जिला सागर भूमिस्वामी खसरा नं. 160/1, खसरा नं.160/2 हक भूमिस्वामी 40 फुट फ्रंट में दो दुकाने एवं पीछे निर्मित 5000 वर्गफुट का बना हुआ मकान, तथा पुस्तैनी हक की जमीन सागर मेडिकल कॉलेज के सामने स्थित दुकाने व मकान बने हुए है जिसमे इककारकर्ता के हक में चार सौ वर्गफुट जगह फौती उठने के उपरांत को बेचने का इकरार कर गवाहान के समक्ष ब्याने में राशि प्राप्त कर इकरारनामा दिनांक 24/01/2024 को निष्पादित किया है। मेरे पक्षकार को यह विदित हुआ है कि इकरारकर्ता उक्त इकरारशुदा भूमि किसी अन्य व्यक्ति को बेचने का इरादा कर रहा है जो कि गैर कानूनी है अवैध व शून्य है। तथा हमारे पक्षकार के द्वारा उक्त अनुबंध पत्र के आधार पर न्यायालय के समक्ष विरूद्ध इकारकर्ता के दावा वास्ते लिखा पाने बैनामा संस्थित किया जा रहा हैं। अतः इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, साहूकार अन्य किसी के भी द्वारा उक्त इकरारकर्ता से उक्त संव्यवहार वाली उपरोक्त इकरारशुदा भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार का इकरार या कोई भी संव्यवहार जो कि अवैधानिक, शून्य तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा। जैसा कि मेरे पक्षकार ने मुझे आम सूचना पत्र प्रकाशन को अधिकृत किया। ताकीद जानिये।

सागर दिनांक 20/11/2025

वास्ते पक्षकार
द्वारा- मनीष दुबे एडव्होकेट
मो. 9425171085

कांग्रेस ने सार्वजनिक किया 'द नेहरू आर्काइव'

नेहरू से संबंधित सामग्री सभी के लिए उपलब्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू से संबंधित लाखों पन्नों की सामग्री को पूरी तरह से डिजिटाइज कर सार्वजनिक कर दिया है। 'द नेहरू आर्काइव' नाम का यह ओपन-एक्सेस डिजिटल प्लेटफॉर्म अब आम नागरिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और इतिहास प्रेमियों के लिए उपलब्ध है। बिना किसी शुल्क के नेहरू की चिट्ठियां, भाषण, नोट्स, किताबों के ड्राफ्ट और अन्य दस्तावेज देखे व डाउनलोड किए जा सकते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ये घोषणा की।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा, 'फैक्ट्स तो फैक्ट्स होते हैं और आपके लाइक्स की वजह से गायब नहीं होंगे। पंडित नेहरू और भारत के लिए उनकी बड़ी कामयाबियों को जानबूझकर तोड़-मरोड़कर पेश करने, गलत जानकारी और फेक न्यूज देने के इस दौर में, सच्चाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी लिखी बातों को डिजिटाइज करना सही है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे खुशी है कि 'द नेहरू आर्काइव' अब लाइव है। यह जवाहरलाल नेहरू की लिखी बातों का भारत का पहला बड़ा, ओपन-एक्सेस डिजिटल आर्काइव है, जिसमें चिट्ठियां, भाषण, नोट्स और भी बहुत कुछ हैं, जो सभी आपस में जुड़े हुए हैं और आसानी से इस्तेमाल के लिए फ्री में उपलब्ध हैं।'

नेहरू के शब्द एक ताकतवर रास्ता दिखाते हैं: राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'नेहरू की लिखी बातें सिर्फ इतिहास नहीं हैं, वे भारत की बदलती सोच का रिकॉर्ड हैं। जो कोई भी हमारे देश की डेमोक्रेटिक यात्रा - उसकी हिम्मत, उसके सवाल, उसके सपनों को समझना चाहता है, उसके लिए उनके शब्द एक ताकतवर रास्ता दिखाते हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सबके लिए खुली, खोजने लायक और मुफ्त है। इसे और बढ़ाया जाएगा।'

मैक्सिको की फातिमा बॉश बनी मिस यूनिवर्स

विवाद से भी रहा नाता

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस यूनिवर्स का खिताब पाना हर किसी का सपना होता है और इस बार साल 2025 में 130 देशों की प्रतियोगिओं को पीछे छोड़कर मैक्सिको की फातिमा बॉश के सिर मिस यूनिवर्स का ताज सजा है। विवादों में रहने के बाद भी 25 साल की फातिमा बॉश को खिताब मिला। उन्हें मिस थाइलैंड के निदेशक नवात इत्सारााग्रिसिल ने बीच शो में तीखी डांट लगाई थी और शो के बाकी कंटेस्टेंट ने भी विरोध किया था, लेकिन विरोध के बीच भी फातिमा बॉश ने इतिहास रच दिया। 74वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के फाइनल में सभी देशों की अलग-अलग ब्यूटी क्वीन्स गाउन पहनकर स्टेज पर आई। प्रतियोगिता में फर्स्ट रनरअप थाईलैंड की प्रवीणर सिंह, सेकेंड रनरअप मिस वेनेजुएला और थर्ड रनरअप मिस फिलीपींस रहीं। भारत से राजस्थान की मनिका विश्वकर्मा भी प्रतियोगिता का हिस्सा रहीं लेकिन वे टॉप-12 तक भी अपनी जगह नहीं बना पाईं। वे प्रतियोगिता के 30वें राउंड तक ही पहुंच पाईं। इससे पहले मिस यूनिवर्स 2024 का खिताब विक्टोरिया केजर थेलविग के सिर सजा था, जोकि डेनमार्क को री-प्रेजेंट कर रही थीं।

बिलाबांग स्कूल में पॉश एक्ट की कार्यशाला आयोजित

भोपाल, देशबन्धु। बिलबोंग हाई इंटरनेशनल स्कूल के शिक्षक ओर स्टाफ की जागरूकता के लिए कामकाजी महिलाओं के कार्यस्थल पर उत्पीड़न से रोकथाम कानून 2013 की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें मास्टर ट्रेनर शिखा छिब्बर ने कार्यस्थल पर कानून के प्रावधानों को विस्तार से बताया। शिखा छिब्बर ने कहा कार्यस्थल पर बच्चों महिलाकर्मियों से गरिमापूर्ण सम्मानजनक व्यवहार से विद्यालय की प्रतिष्ठा में बढ़ती है। महिलाकर्मी निर्भय होकर काम कर सके, बच्चे भी सुरक्षित महसूस करे, इसलिए विद्यालय स्वस्थ वातावरण मिलना चाहिए। यही पॉश एक्ट का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने आंतरिक जांच समिती के गठन प्रक्रिया पीड़ित के अधिकार ओर नियोक्ता के दायित्वों पर भी प्रकाश डाला। शिखा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष नियोक्ता की जागरूकता के लिए कार्यशाला आयोजित करना विधिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यशाला में सभी उपस्थित कर्मचारियों के प्रश्नों के भी उतर दिए इस अवसर पर प्रिंसिपल आशीष अग्रवाल ओर स्टाफ कोऑर्डिनेटर भी मौजूद रहे।

CHANGE OF NAME

I, KUMARI ANJALI YADAV, IS DAUGHTER OF ARMY NO-10390181L, RANK-EX-HAV NAME RADHE SHYAM YADAV SERVED IN 151 INF BN (TA) JAT PRESENTLY RESIDING AT VILL. NARWANI POST-GAMBHIIRIYA, TEHSIL-SAGAR, DIST. SAGAR., STATE -MADHYA PRADESH, PIN CODE-470004. THAT I HAVE CHANGED MY NAME FROM **KUMARI ANJALI YADAV TO ANJALI YADAV** DUE TO TALLY WITH AADHAR CARD AND OTHER DOCUMENTS.MY DATE OF BIRTH IS 23/07/2002 (TWENTY THREE JULY TWO THOUSAND TWO). THAT BOTH NAMES **KUMARI ANJALI YADAV AND ANJALI YADAV** PERTAIN TO ONE AND THE SAME PERSON. VIDE AFFIDAVIT DATED 21-11-2025 BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

सार समाचार

दुकानदार के साथ 4 युवकों ने लोहे की छड़ व लाठी डंडे से की मारपीट, मामला दर्ज

दिगौड़ा, देशबन्धु। कस्बा की पुरानी पुलिस चौकी के पास आज दोपहर करीब 2 बजे किराना दुकानदार के साथ चार युवकों ने लोहे की छड़ व लाठी डंडे से मारपीट कर दी। इस घटना में पीड़ित दुकानदार को चोटें आ गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि यह विवाद पुरानी बुराई को लेकर हुआ है।

दिगौड़ा पुलिस ने बताया है कि आज शुक्रवार की दोपहर 2 दिगौड़ा कस्बा में पुरानी पुलिस चौकी के पास किराना दुकान पर बैठे दुकानदार दीपेश उर्फ बिट्टू घोष पिता राजपाल घोष अपनी किराना दुकान पर बैठा हुआ था। तभी उसकी दुकान पर सत्यम यादव खरोई, प्रिंस यादव खरोई, अरुण घोष बछोड़ा व शिवेन्द्र घोष बछोड़ा आए और पीड़ित दुकानदार के भाई टिंकू के पुराने विवाद को लेकर झगड़ा करने लगे। इस विवाद में पीड़ित दीपेश उर्फ बिट्टू के साथ इन चार लोगों ने लोहे की छड़, लाठी डंडे से जमकर मारपीट कर दी। इस घटना में पीड़ित को चोट आ गई। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित व्यक्ति को आरोपी ने मारा पत्थर, मामला दर्ज

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूनोल में गुरुवार की रात करीब 9 बजे पीड़ित व्यक्ति के साथ जाति सूचक शब्दों के साथ गाली-गलौज की गई और आरोपी ने पत्थर मार दिया। इस घटना में पीड़ित घायल हो गया। परिजन उसको जिला अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मारपीट व एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

दिगौड़ा पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूनोल में 20 नवंबर की रात करीब 9 बजे पीड़ित व्यक्ति सुनील अहिरवार को गांव के प्रमोद संज्ञा ने फोन लगाकर बुलाया कि उनका लड़का उनके साथ लड़ाई झगड़ा कर रहा है। इतने में पीड़ित व्यक्ति उनके घर पर पहुंचा तो वहां पर जानू संज्ञा ने पीड़ित व्यक्ति के साथ जाति सूचक शब्दों के साथ गाली गलौज की और वहीं पर डला पत्थर उठाकर पीड़ित को मार दिया, जिससे वह घायल हो गया। परिजन उसको जिला अस्पताल ले गए, जहां पर पीड़ित को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

हटा ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण पर गंभीर सवाल

घटिया सामग्री, कम मोटाई और निगरानी के अभाव में चल रहा काम

● अखण्ड यादव

बल्देवगढ़, देशबन्धु। जनपद पंचायत बल्देवगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत हटा में निर्माणाधीन सीसी रोड को लेकर गंभीर अनियमितताएँ सामने आई हैं। ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर निम्नस्तरीय निर्माण कर भारी भ्रष्टाचार करने के आरोप लगाए हैं। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत हटा में लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बगराजन माता मंदिर से बस स्टैंड तक बनाई जा रही इस सड़क में शुरू से ही गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की जा रही है। मिट्टी युक्त बजरी वह का मात्रा में सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है। जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा कई बार सीएम हेल्पलाइन से लेकर जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों से की है लेकिन जिम्मेदार है कि सरपंच पर कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं सूत्रों की माने तो हटा की सरपंच कांग्रेस पार्टी की बड़ी नेता मानी जाती है।

4 इंच मोटाई की सड़क, किनारों पर 8 इंच दिखाने का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि बगराजन माता मंदिर से बस स्टैंड मार्ग तक बनाई जा रही सड़क के मध्य भाग में केवल 4 इंच सीसी कंक्रीट डाला जा रहा है। जबकि अधिकारियों को दिखाने हेतु सड़क के दोनों किनारों पर 8 इंच मोटाई दर्शाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने उपयोग हो रही सामग्री को भी घटिया बताया है।

सब-इंजीनियर हड़ताल पर, गुणवत्ता जांच पूर्ण रूप से बाधित

सरपंच द्वारा निर्माण उस समय कराया जा रहा है जब सब-इंजीनियर हड़ताल पर हैं। ग्रामीणों के अनुसार, क्वालिटी चेक के लिए कोई भी अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं रहता, जिससे निर्माण कार्य बिना किसी तकनीकी निगरानी के चल रहा है। इंजीनियर मौके पर नहीं पहुंचने से सरपंच सचिव मनमानी से निर्माण कार्य कर रहे हैं।

राशि महीनों पहले निकाली, शिकायतों के बाद शुरू हुआ काम

हटा निवासी राणा बुंदेला सहित अन्य लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण की राशि सरपंच द्वारा महीनों पहले ही निकाल ली गई थी। और लंबे समय तक मौके पर सामग्री नहीं पहुंची थी और काम बंद पड़ा रहा। लेकिन जब ग्रामीणों ने सीएम हेल्पलाइन और लिखित में शिकायत कर विरोध किया तब बाद में सरपंच द्वारा निर्माण कार्य शुरू किया गया। परंतु अब भी गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हैं।

महिला सरपंच, लेकिन ग्रामीणों का आरोप—शिक्षक पति सुनील जैन ही चला रहे पंचायत

ग्राम पंचायत हटा में महिला सरपंच कार्यरत हैं, पर ग्रामीणों का आरोप है कि उनके शिक्षक पति सुनील जैन पंचायत के सभी कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि शिक्षक होने के बावजूद वे स्कूल न जाकर पंचायत संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जिससे अनियमितताएँ बढ़ रही हैं। और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है अधिकारी इस और ध्यान दें।

ग्रामीणों की मांग—उच्चस्तरीय जांच व रीङ्कमेजरमेंट कराया जाए

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सीसी रोड निर्माण की उच्चस्तरीय जांच, सड़क की रीङ्कमेजरमेंट, एवं जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गुणवत्ता जांच नहीं हुई तो यह सड़क कुछ महीनों में ही टूट जाएगी।

इनका कहना है

ग्राम पंचायत हटा में निर्माणाधीन सीसी रोड में गंभीर अनियमितताएँ व मापदंड के अनुकूल निर्माण कार्य चल रहा तो इंजीनियर द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता परीक्षण कराया जाएगा और गुणवत्तापूर्ण निर्माण हो यह सुनिश्चित कराया जाएगा जांच के बाद नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

आकांक्षा श्रीवास्तव,
जनपद सीईओ बल्देवगढ़

गंदे नाले में तब्दील हुई बंडा नहर

25 से अधिक परिवारों का रास्ता बंद, लकड़ी के पुल से गुजरने को मजबूर

टीकमगढ़, देशबन्धु। शहर में महेंद्र सागर तालाब से वृंदावन तालाब को जोड़ने वाली बंडा नहर बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। कभी साफ पानी का मार्ग रही यह नहर अब गंदे नाले में तब्दील हो चुकी है। करीब पांच महीने पहले नगर पालिका ने नहर की सफाई, पक्का निर्माण, फुटपाथ, लाइटिंग और सौंदर्याकरण का आश्वासन दिया था। प्रशासनिक भरोसे पर स्थानीय लोगों ने अपने अतिक्रमण तक हटा लिए थे, लेकिन महीनों बाद भी काम शुरू नहीं हो पाया है। इससे क्षेत्रवासियों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय निवासी सरिता झा ने बताया कि उनके घर के सामने नहर खुली होने से आवाजाही लगभग बंद हो गई है। मजबूरी में उन्होंने दो लोहे के गाटर और लकड़ी के पटियों से अस्थायी पुल तैयार कराया है, जिसका किराया तक देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका ने 15 दिन में काम शुरू करने का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सरिता झा के अनुसार, पड़ोसी दीनदयाल झा को हाल ही में पैरालिसिस अटैक आया, ऐसे में उन्हें अस्पताल ले जाना भी चुनौती बन गया। मोहल्ले के 25 से 30 परिवार इसी तरह की परेशानी का सामना कर रहे हैं। बारिश से पहले जिला प्रशासन ने नहर की सफाई कराई थी और अंबेडकर चौराहा से खादी आश्रम तक बने अतिक्रमण हटाए गए थे। स्थानीय लोगों ने प्रशासन का समर्थन करते हुए स्वयं अपने निर्माण हटाए, लेकिन इसके बाद नहर की मरम्मत और सौंदर्याकरण का काम शुरू ही नहीं हुआ।

स्थानीय निवासी वार्डवासियों ने बताया कि नहर महीनों से खुली है, जिससे बदबू, कीचड़ और मच्छरों का आतंक बढ़ गया है। छोटे बच्चों और मवेशियों के गिरने का खतरा बना रहता है। कई बार जहरीले कीड़े और सांप नहर के रास्ते घरों तक पहुंच जाते हैं, जिससे लोगों का जीवन दूभर हो गया है।

मोहल्लेवासियों ने बताया कि वे समस्या को लेकर पहले भी ज्ञापन दे चुके हैं। यदि जल्द ही नहर की मरम्मत और निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब धैर्य की सीमा पार हो चुकी है और प्रशासन को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए।

संगठन विस्तार को लेकर किसान संघ चलाएगा अभियान

टीकमगढ़, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ जिला टीकमगढ़ की मासिक बैठक कृषि उपज मंडी टीकमगढ़ में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत युवा वाहिनी प्रमुख राकेश सिंह घोष ने ग्राम समिति गीत के गायन से की। इसके बाद जिलाध्यक्ष शिव मोहन गिरि ने भारत माता, भगवान बलराम व दंतोपंत ठेंगड़ी का पूजन किया। बैठक की शुरुआत में गोपाष्टमी पर्व का वृत्त सभी तहसील अध्यक्षों से लिया गया। संगठन विस्तार व ग्राम समिति निर्माण को लेकर भारतीय किसान संघ %चलो ग्राम की ओर% अभियान चलाएगा, जिसमें किसानों की समस्याओं पर जोर दिया जाएगा। विधुत विभाग के साथ बैठक कर बिधुत सम्बंधित समस्याओं को हल कराने पर चर्चा हुई, जिसकी जिम्मेदारी ऊर्जा आयाम प्रमुख संतोष राजपूत को दी गई। बैठक का संचालन जिला कोषाध्यक्ष अवधेश गिरि गोस्वामी ने किया।

इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष भागवत सिंह सोलंकी व बृजेश कुमार पाठक, जिला कार्यकारिणी सदस्य राघवेन्द्र सिंह घोष, राम किशन पाल, श्रीपत सिंह भदौरिया, डॉ. अंश कुमार जैन, मोहनगढ़ व दिगौड़ा तहसील अध्यक्ष फूल सिंह घोष, टीकमगढ़ व बड़ागांव धसान तहसील अध्यक्ष रामचंद्र श्रोत्रिय, पलेरा तहसील अध्यक्ष हरपाल सिंह सिसोदिया, टीकमगढ़ तहसील संयोजक बद्री तिवारी, तहसील मंत्री निर्देश अहिरवार, तहसील उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, तहसील कार्यकारिणी सदस्य डरु रजक, देशराज रजक, दिगौड़ा तहसील उपाध्यक्ष ग्यासी रैकवार, तहसील प्रचार प्रसार प्रमुख रंजीत सिंह घोष, तहसील कार्यकारिणी सदस्य हरप्रसाद चढ़ार, ग्राम समिति अध्यक्ष राजू चौबे, कमल सिंह ठाकुर, रामस्वरूप यादव, भगवत राठौर, रत्तू अहिरवार, हरिश्चंद्र घोष, घनश्याम रैकवार, प्रेम नारायण लोधी, प्रभु घोष, ईशन घोष, महुम घोष, प्रताप सिंह घोष, राजू पाल, सोबरन अहिरवार, कमल यादव, सोबरन अहिरवार, मलखान राजपूत, गब्बर सिंह घोष, शिवदयाल अहिरवार, बैजनाथ पाल, किशोरीलाल अहिरवार, प्रभुदयाल घोष, मनीराम रैकवार, प्रीतम चढ़ार, मोहित चढ़ार, भगवान दास अहिरवार, रामकिशन प्रजापति, इंदल अहिरवार सहित कई किसान मौजूद रहे।

सिंचाई पर संकट: कचरा और मिट्टी से अटी नहर, विभाग ने शुरू की सफाई

टीकमगढ़, देशबन्धु। बड़ागांव धसान क्षेत्र में किसानों को पोखना तालाब से निकलने वाली नहर में पानी न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नहर में वर्षों से जमा कचरा और मिट्टी के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो गया है, जिससे खेत सूखे पड़े हैं और फसलें प्रभावित होने लगी हैं।

स्थानीय किसान कमलेश लोधी और सत्येंद्र चौरियाल के अनुसार, बड़ागांव नगर में सिंचाई का एकमात्र सहारा पोखना तालाब है, जिससे सैकड़ों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। नहर की उचित सफाई न होने के चलते पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा था।

किसानों की लगातार शिकायतों के बाद जल संसाधन विभाग हरकत में आया। एसडीओ वीरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर नहर का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। गुरुवार को विभाग ने एक जेसीबी मशीन लगाकर सफाई कार्य शुरू करा दिया है।

किसानों ने बताया कि नहर कई जगह क्षतिग्रस्त है और लंबे समय से जमा कचरा-मिट्टी पानी के बहाव में बड़ी बाधा बन गए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, पूरी नहर की सफाई में करीब एक सप्ताह का समय लग सकता है। दूसरी ओर, किसान भी खुद सफाई अभियान में सहयोग कर रहे हैं, ताकि सिंचाई व्यवस्था जल्द पटरी पर लौट सके।

36 सौ किमी की नर्मदा परिक्रमा पूरी कर लौटे श्रद्धालु

गंजबासौदा, देशबन्धु। नर्मदा परिक्रमा वासी 3600 किमी की यात्रा पूरी कर गुरुवार देर शाम नगर लौटे। बस से उतरते ही परिक्रमा वासियों का स्वागत नर्मदे हर नर्मदे हर के जयघोष से गूंज उठा। महिलाओं ने आरती उतारी, बच्चों ने फूल बरसाए और ढोल-ढमाकों की गूंज ने स्वागत को और भव्य बना दिया। मालूम हो कि नगर के भक्ति दर्शन फाउंडेशन परिवार द्वारा आयोजित पंद्रह दिवसीय भव्य नर्मदा परिक्रमा अमावस्या को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक के साथ पूर्ण हुई। परिक्रमा पर गए नगर के श्रद्धालुओं ने यात्रा के दौरान मां नर्मदा तीर्थ महिमा श्रद्धालुओं को सुनाई। नर्मदा पुराण कथा की भी परिक्रमा के साथ पूर्णाहुति हुई।

एनडीआरएफ ने भूकंप पर आधारित सघन मॉक ड्रिल की

फील्ड तैयारियों और समन्वय का किया मूल्यांकन

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिला प्रशासन की अगुवाई में शुक्रवार को संयुक्त कार्यालय परिसर में एनडीआरएफ द्वारा भूकंप की परिकल्पना पर आधारित सघन मॉक अभ्यास आयोजित किया गया। अभ्यास में पुलिस, एसडीईआरएफ, अग्निशमन, स्वास्थ्य विभाग और नगर पालिका सहित सभी प्रमुख एजेंसियों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की। अभ्यास अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडराह की उपस्थिति और 11वीं एनडीआरएफ वाराणसी के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों ने भूकंप के बाद संभावित आपदा परिस्थितियों से निपटने की तैयारी को परखते हुए बचाव एवं राहत कार्यों का मैदान प्रदर्शन किया।

ड्रिल के दौरान कलेक्ट्रेट भवन की ऊपरी मंजिलों से रस्सियों की मदद से लोगों को सुरक्षित नीचे उतारने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। साथ ही घायल व्यक्तियों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देने के तरीकों और त्वरित प्राथमिक उपचार की जानकारी भी दी गई। एनडीआरएफ टीम के उप कमांडेंट अनील कुमार पाल ने बताया कि ऐसे अभ्यासों का उद्देश्य आपदा प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों का मूल्यांकन करना, त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करना और सभी हितधारक एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत बनाना है।

अभ्यास के दौरान संयुक्त कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर एस.के. तोमर, पुलिस विभाग के अधिकारी, एसडीईआरएफ, अग्निशमन, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका और अन्य संबंधित विभागों के कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी एजेंसियों ने मिलकर आपदा की स्थिति में किये जाने वाले त्वरित और समन्वित प्रयासों की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त की।

टीकमगढ़ ने रचा इतिहास, सीएम हेल्पलाइन में चौथी बार नंबर-1, पुलिस ने मनाया जश्न

टीकमगढ़, देशबन्धु। टीकमगढ़ पुलिस ने एक बार फिर अपनी कार्यशैली से मिसाल पेश करते हुए इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 के तहत दर्ज जनशिकायतों के त्वरित और पारदर्शी निराकरण के आधार पर जारी नवंबर माह की राज्य स्तरीय रैंकिंग में जिले ने लगातार चौथी बार प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले की पुलिस की जवाबदेही, संवेदनशीलता का मजबूत प्रमाण मानी जा रही है। टीकमगढ़ पुलिस की यह उपलब्धि सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि प्रभावी नेतृत्व, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जमीनी स्तर पर समर्पित प्रयासों का परिणाम है। लगातार चार बार शीर्ष स्थान पाना यह दिखाता है कि जिले में जनता और पुलिस के बीच भरोसे की कड़ी और मजबूत हो रही है।

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई का मार्गदर्शन में सभी पुलिस इकाइयों ने शिकायतों के समाधान में बेहतर समन्वय और दक्षता दिखाई और पुलिस की स्पष्ट कार्ययोजना, नियमित मॉनिटरिंग और थानों को दिए गए समयबद्ध निर्देशों ने जिले को फिर शीर्ष पर पहुंचाया। इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टीकमगढ़ में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। जिसमें श्री मंडलोई और जिला पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने केक काटकर पूरी टीम को बधाई दी। इस दौरान अधिकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक को सम्मान प्रतीक भी प्रदान किया गया। श्री मंडलोई ने सभी थाना प्रभारियों, पुलिस स्टाफ और सीएम हेल्पलाइन निगरानी टीम की उनके योगदान के लिए विशेष रूप से तारीफ की। उपलब्धि पर श्री मंडलोई ने कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित और संतोषजनक निराकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि टीम के हर सदस्य ने निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ दायित्व निभाया है, इसी कारण जनता का विश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने पुलिस बल से आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य जारी रखने का आव्हान भी किया।इस दौरान एएसपी टीकमगढ़ विक्रम सिंह कुशवाह, एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल कटरे, एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम, रक्षित निरीक्षक कनक सिंह चौहान, थाना प्रभारी यातायात कैलाश पटेल, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक बृजेंद्र, थाना प्रभारी देहात निरीक्षक चंद्रजीत यादव, थाना प्रभारी अजाक निरीक्षक इंसाफ अली, थाना प्रभारी महिला थाना निरीक्षक मथुरा प्रसाद, मुख्य लिपिक रामाधार त्रिपाठी, स्टेनो रत्नेश तिवारी, साइबर प्रभारी उपनिरीक्षक मयंक नगाइच, सीएम हेल्पलाइन निगरानी टीम के सभी सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस ने सोनोग्राफी सेंटरों में भ्रूण परीक्षण रोकने के लिए की व्यापक जांच

नीड अभियान की सफलता : भ्रूण हत्या के मामलों में 42.87 प्रतिशत की कमी दर्ज

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में महिला सुरक्षा, स्वतंत्रता और समानता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में संचालित नीड, परी, भरोसा, सहारा, आसरा अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। महिला सुरक्षा को गर्भावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक हर चरण में मजबूत करने वाली यह पहल अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव दिखा रही है।

अभियान के तहत जिले के सभी थानों में छात्रों, युवतियों, वरिष्ठ नागरिक महिलाओं और बेसहारा महिलाओं की पहचान कर विशेष महिला पुलिस दल गठित किए गए हैं। ये दल नियमित रूप से विद्यालयों, कॉलेजों, संस्थानों और समुदायों में जाकर

जागरूकता कार्यक्रम, परामर्श, सुरक्षा जानकारी और आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहे हैं। महिला थाना पुलिस टीम ने आज अभियान के 'नीड वर्ग' तहत शहर के विभिन्न सोनोग्राफी सेंटरों और नर्सिंग होम का निरीक्षण किया। इस दौरान अवैध गर्भपात और भ्रूण परीक्षण संबंधी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया गया। मरीजों व परिजनों को बेटा-बेटी में भेदभाव न करने और बालिका के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। सेंटर संचालकों को कानूनी प्रावधानों, विशेषकर भ्रूण परीक्षण पर पूर्ण प्रतिबंध की जानकारी देते हुए कड़ी चेतावनी जारी की गई। मेडिकल स्टोर संचालकों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के निर्देश दिए गए।

अभियान का दिख रहा असर

– अभियान का असर यह देखने को मिल रहा है कि भ्रूण हत्या के मामलों में भारी कमी आई है। कड़े निरीक्षण, जागरुकता और पुलिस-प्रशासन के समन्वय का असर अब आंकड़ों में भी स्पष्ट दिखने लगा है। वर्ष 2025 में भ्रूण हत्या के मामलों में 2024 की तुलना में 42.85 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह गिरावट बताती है कि नीड अभियान न केवल प्रभावी है, बल्कि समाज में जागरुकता और व्यवहारगत परिवर्तन भी ला रहा है। जिला पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि महिला और बालिका सुरक्षा का यह मिशन आगे और अधिक व्यापक रूप में जारी रहेगा, ताकि हर बालिका सुरक्षित जन्म, सम्मान, समान अवसर और सुरक्षित वातावरण प्राप्त कर सके।

नाइजीरियाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने लूटी वाहवाही, तीन मुकाबलों में खिलाड़ियों का जोश चरम पर

नूर मोहम्मद स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट इंदौर की धमाकेदार जीत

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के नजर बाग मैदान में जारी नूर मोहम्मद स्मृति अंतर्राज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट में गुरुवार का दिन रोमांच से भरपूर रहा। दिनभर में कुल तीन मुकाबले खेले गए, जिनमें सबसे अधिक रोमांच तीसरे मैच के पेनल्टी शूटआउट में देखने को मिला। इंदौर ने ब्राइट क्लब टीकमगढ़ को 4-1 से पछाड़कर जीत अपने नाम की। टूर्नामेंट समिति के अध्यक्ष गौरव शर्मा और सचिव मोना जैन ने बताया कि गुरुवार का पहला मुकाबला महोबा और ईगल एफसी टीकमगढ़ के बीच हुआ, जिसमें ईगल एफसी ने 2-1 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच जतारा और गुरु क्लब टीकमगढ़ के बीच खेला गया। जतारा की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

गुरु क्लब टीकमगढ़ भले ही दूसरा मैच हार गया, लेकिन टीम में शामिल नाइजीरिया के सात खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल से दर्शकों की जमकर तालियां बटोरीं। मैदान में उनकी तेजी, बॉल कंट्रोल और रणनीति दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में इंदौर की जीत

दिन का तीसरा और सबसे रोमांचक मुकाबला ब्राइट क्लब टीकमगढ़ और इंदौर के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद परिणाम पेनल्टी शूटआउट से तय किया गया। इंदौर के खिलाड़ियों ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 से जीत दर्ज की।

आयोजन समिति के अनुसार टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 23 नवंबर को खेला जाएगा। कुल 12 टीमें इस अंतर्राज्यीय प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं। समिति के कोषाध्यक्ष अंकित जैन ने बताया कि शुक्रवार को दो और मुकाबले खेले जाएंगे।

गुरुवार को आयोजित मैचों के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में अभिषेक खरे, ध्रुव मिश्रा, अब्दुल जाहिद, संयम चतुर्वेदी, सुनील शर्मा, रशीद खान, आमिर खान, सत्तार बाबा, राजेश यादव और नसीम अली मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मैचों को देखने बड़ी संख्या में दर्शक भी मैदान में उमड़े।

सार समाचार

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा हुई सम्पन्न

दमोह देशबन्धु। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स ज्ञानचन्द्र श्रीवास्तव, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में 21 नवम्बर को प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन के मार्गदर्शन एवं डॉ. के.के.कोरी तथा डॉ. के.एस.बामनिया के निर्देशन में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा सम्पन्न हुई। परीक्षा में सहायक प्राध्यापक राहुल कुमार दुबे, कु. निकिता जैन, डॉ. नेहा जैन, कंचन प्रजापति, डॉ. दिव्या पटेल, डॉ. अनिल कुमार जैन एवं प्रहलाद सिंह का विशेष सहयोग रहा है।

कुपोषित बच्चों को वितरित की जा रही है फूड बॉस्केट

रायसेन, देशबन्धु। जिले को कुपोषणमुक्त बनाने के लिए महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों द्वारा अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि के सहयोग से कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा कुपोषित बच्चों के माता-पिता से गृह भेंट कर बच्चों के स्वास्थ्य में पोषण आहार का महत्व बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त घर पर ही सुगमता से उपलब्ध खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक आहार बनाने की विधि भी बताई जा रही है।

मौसम में बदलाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने दी बचाव एवं उपचार संबंधी सलाह

रायसेन, देशबन्धु। मौसम में बदलाव को दृष्टिगत रखते हुए निमोनिया की संभावना के दृष्टिगत बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलाह जारी की गई है। साथ ही निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है। दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं 1 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है।

5 वर्ष तक के बच्चों में सर्वाधिक मृत्यु का कारण निमोनिया है। निमोनिया से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण, छह माह तक सिर्फ स्तनपान और उसके बाद उचित पूरक आहार, विटामिन ए का सेवन, साबुन से हाथ धोना, घरेलू वायु प्रदूषण को कम करना आवश्यक है।

सांसद खेल महोत्सवः रस्साकशी, कुर्सी दौड़ सहित हुई कई प्रतियोगिताएं

रायसेन, देशबन्धु। केन्द्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार संसदीय क्षेत्र विदिशा में फिटनेस को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे सांसद खेल महोत्सव के तहत शुक्रवार को जिले की औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत उमरावगंज में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें पम्परागत खेलों को प्रोत्साहित करने रस्साकशी, कुर्सी दौड़ सहित अन्य खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इन खेल गतिविधियों में बच्चों, युवाओं तथा ग्रामीणजनों द्वारा भी उत्साह के साथ सहभागिता की गई।

नोहटा में संगम तट पर रेस्टहाउस निर्माण का भूमिपूजन

नए भवन से पर्यटन को मिलेगी नई दिशा : लोधी

दमोह देशबन्धु। जिले की विधानसभा जबेरा अंतर्गत ग्राम नोहटा में दो नदियों के संगम तट के समीप स्थित क्षतिग्रस्त रेस्टहाउस भवन के पुनर्निर्माण का लंबे समय से इंतज़ार कर रहे ग्रामीणों को बड़ी सौगात मिली है। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने 121.77 लाख रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी के माध्यम से स्वीकृत राशि पर नए रेस्टहाउस निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

राज्यमंत्री लोधी ने बताया नोहटा को पर्यटन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां स्थित प्राचीन नोहलेश्वर मंदिर और नदियों का संगम पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने कहा आने वाले समय में संगम तट पर वोट सुविधा भी शुरू की जाएगी, जिससे पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में क्षेत्र में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र में 40 निःशुल्क कोचिंग सेंटर, एक-एक करोड़ की लागत से खेल स्टेडियम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण, हर पंचायत में सामुदायिक भवनों का निर्माण तथा अनेक उप-स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण तेजी से प्रगति पर है। अभी तक 40 से अधिक सामुदायिक भवनों की स्वीकृति भी जारी हो चुकी है। कार्यक्रम में सतपाल सिंह, लालसिंह यादव, भावसिंह लोधी, सुमन उपाध्याय, विनीता कुलस्ते, बंटी दुबे, संग्राम सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कृषि उपज मंडी हटा में हंगामा

किसानों ने लगाया जाम, अधिकारियों की समझाइश पर खुला

दमोह/हटा देशबन्धु। भावन्तर योजना में किसानों को परेशानी हो रही है इनका का सब्र का बांध टूटा दिखाई दे रहा है किसानों में आक्रोश के कारण शुक्रवार शाम कृषि उपज मंडी हटा में किसानों की डाक निलामी न होने से नाराज किसानों ने हटा बटियागढ़ रोड पर जाम लगा दिया। किसानों ने ष्किसान यूनियन जिंदाबादष् के नारे लगाते हुए अपनी मांगों को रखा ।उनके आरोप थे की शाम 4 बज गए और डाक निलामी चालू नहीं हुई, जबमिडिया वहां पहुंची तो जानकारी प्राप्त हुई की हटा मंडी में क्षमता से अधिक सोयाबीन खरीदी कर ली गई है, कम्प्यूटर में कुछ और आंकड़े हैं और वेयरहाउस में कुछ ओर जिसकी शिकायत पर सागर से पहुंचे संयुक्त संचालक रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती अपने दल साहित मां चडी फर्म और अग्रवाल ट्रेडिग फर्म के और जैन ट्रेंड्स एवं एक अन्य निरीक्षण किया। जा रहा था जिस कारण डाक ना होने की स्थिति पैदा हुई जाम लगने के आधे घंटे बाद तहसीलदार आलोक जैन पहुंचे उन्होंने समझाइश दी किन्तु किसान नहीं माने जिसके बाद संयुक्त संचालक रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती ने किसानों को समझाया और करीब आधा एक घंटे बाद जाम को खुलवाया। डाक निलामी भी चालू की गई, उक्त जाम में किसानों ने आरोप लगाया कि वे दो दिन से कृषि उपज मंडी में सोयाबीन लेकर आए हैं, लेकिन अधिकारियों की तानाशाही के चलते उनकी डाक नहीं हो रही थी जिससे परेशान थे , कुछ किसानों के आरोप थे कि उनके 10 दिन पहले तक के पैस नहीं आए हैं जबकि 24 घंटे का भुगतान किया जाना था ।संयुक्त संचालक रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। निरीक्षण एवं पंचनामा कार्रवाई की जा रही है ,इस दौरान थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी, साहित मण्डी के अधिकारी की उपस्थिति रही।

अवैध शराब सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

पन्ना, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में शाहनगर पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। थाना शाहनगर पुलिस ने अवैध शराब का भंडारण एवं परिवहन करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन सहित कुल 7 लाख 5 हजार रुपए का मशरूका जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू ने जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं विक्रय करने वाले व्यक्तियों तथा अवैध शस्त्र रखने वालों के विरुद्ध अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना चौहान और समस्त एसडीओपी के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाकर कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

इसी तारतम्य मे थाना प्रभारी शाहनगर द्वारा थाना क्षेत्र मे मुखविर तंत्र को सक्रिय किया गया है। जिसके फलस्वरूप दिनांक 20.11.25 की सायं को थाना प्रभारी शाहनगर को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि जबलपुर दिशा से नीले रंग की ब्रेजा कार में भारी मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गठित कर पन्ना-कटनी रोड स्थित कचौरी मोड़ पर घेराबंदी की गई, जहां संदिग्ध वाहन को रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन से 40 पेटी में भरी 360 लीटर अवैध देशी प्लेन शराब कीमत लगभग 01 लाख 80 हजार रुपये, परिवहन में प्रयुक्त ब्रेज़ा कार MP17 CB 8154 कीमत लगभग 5 लाख, 3 एंड्रॉयड मोबाइल फोन ङ्क कीमत लगभग 25 हजार इस प्रकार कुल 07 लाख 5 हजार का मशरूका जप्त किया गया। बरामद की गई। शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर राजुल राजा परमार, निवासी इटवां कला, थाना कोतवाली पन्ना, सौमित्र प्रताप सिंह, निवासी कोहनी, थाना कोतवाली पन्ना को पुलिस ने मौके पर ही अभिरक्षा में लिया। आरोपियों के विरुद्ध थाना शाहनगर में अपराध क्रमांक 414/25 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

सराहनीय योगदान- थाना प्रभारी शाहनगर उनि. मनोज कुमार यादव प्र.आर. मनोज त्रिपाठी, धर्मेंद्र हरदेनिया, आर. राकेश सिंह, आर. विनिमेश महिला आर. दीक्षा एवं सायबर सेल टीम पन्ना का सराहनीय योगदान रहा।

बस स्टैंड के पास अवैध आहते हटाऐं गए, जननायक गौड़ इतिहास पर आयोजित होगी प्रस्तुतियां

दमोह/हटा देशबन्धु। हटा थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी ने अपने स्टाप के साथ बस स्टैंड के समीप शराब दुकान के सामने अवैध तरीके से छोटे छोटे आहते गुमटियां को नगरपालिका सीएमओ राजेंद्र खरे और टीम की मदद से अलग करवाया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वहां सड़क निर्माण होने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी और जो बसो 1 घंटे से ज्यादा बस स्टैंड पर खड़ी होती है उनको खाली ग्राउंड में बोला गया है और हांथ ठेला और आटो संचालकों को हिदायत दी गई है की रोड पर आप लोग खड़े न करे जिससे आवागमन बाधित न हो नगर पालिका को भी यह ग्राउंड खाली करवाना था। जिसके बाद वहां लगने वाली छोटी छोटी दुकानों जिसमें अंडे, पानी, पाऊच, डिस्पोजल को बेचा जाता था, उन्हें अलग किया गया। गौरतलब है कि आगमी 30 नम्बर से 2 दिसंबर तक गौड़ जनजातीय समुदाय के चरित्र एवं ऐतिहासिक नायकों के केंदित जननायक गोंड इतिहास की नृत्य नाट्य प्रस्तुतियों समारोह का आयोजन भी इसी ग्राउंड में किया जाना है। नगर पालिका द्वारा तीन दिवस के भीतर अतिक्रमण को हटाने के लिए समय दिया गया है हटा पुलिस की इस कार्रवाई से लोगों में खुशी की भावना है।

हाईकोर्ट की कार्रवाई : पन्ना के प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश राजाराम भारती निलंबित

पन्ना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा पन्ना जिले में पदस्थ प्रधान जिला एवं स्वास्थ्य न्यायाधीश राजाराम भारतीय को निलंबित किया गया है यह पहला मामला है जब पन्ना जिले के जिला एवं सत्र न्यायाधीश को निलंबित किया गया है उनका कारभार विशेष न्यायाधीश प्रदीप कुशवाहा को सोपा गया है ज्ञात हो श्री भारती के खिलाफ उच्च न्यायालय में शिकायत की गई थी उसके जांच उपरांत यह कार्यवाही की गई है अभी स्पष्ट नहीं हुआ है कि किन मामलों के चलते उन्हें निलंबन की सजा दी गई है गौरतलब है कि न्यायाधीश श्री भारतीय 30 अक्टूबर को सेवानिवृत हो रहे थे उसके 10 दिन पूर्व भी यह कार्रवाई की गई है ज्ञात होन्यायालय में भी भ्रष्टाचार की दीमक लग गई है जिससे इस प्रकार के मामले सामने आ रहे हैं यह बड़ा चिंतन का विषय है कि अब कोई भी संस्था भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं बची है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर हुई बैठक

रायसेन, देशबन्धु। नगरीय निकायों तथा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण के संबंध में जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराते हुए बताया कि नगरीय निकायों, पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन शुक्रवार को निर्धारित स्थानों पर कर दिया गया है। साथ ही जिले की समस्त 12 नगरीय निकायों की अंतिम प्रकाशित मुद्रित फोटोयुक्त मतदाता सूची की निःशुल्क प्रतियां भी प्रदान की गईं।

जन क्रांति न्याय यात्रा में शामिल हुए करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष

- 21 सूत्रीय मांगों को लेकर मांगा सर्व समाज का समर्थन

दमोह देशबन्धु। करणी सेना परिवार टीम जीवन सिंह शेरपुर जिला दमोह के द्वारा जन क्रांति न्याय यात्रा एवं जनसभा का आयोजन दमोह में किया गया जिसमें करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर दमोह पहुंचे जन क्रांति न्याय यात्रा जबलपुर नाका, किल्लाई नाका, तीन गुल्ली, स्टेशन चौराहा, राय चौराहा, घंटाघर होते हुए अंबेडकर चौक स्थित मानस भवन पहुंची जहां विशाल आम सभा आयोजित की गई मनचासी नदियों द्वारा सर्वप्रथम पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया वहीं सर्व समाज की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष का बड़े पुष्पाहार द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वागत भाषण दमोह जिला अध्यक्ष नितिन सिंह तोमर ने दिया। करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम सर्व समाज के हितों और रक्षा हेतु 21 सूत्रीय मांगों को लेकर 21 दिसंबर को हरदा में जन क्रांति न्याय आंदोलन करने जा रहे हैं जिसमें आप सभी जिले के सर्व समाज के बंधुओ का समर्थन और सहयोग लेने आया हूं समाज को उनके अधिकार मिले वंचितों को न्याय मिले यह हमारा जन क्रांति न्याय यात्रा का मूल उद्देश्य है जिसको लेकर हम मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में पहुंच रहे हैं मैं बहुत ही प्रसन्न हूं की बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग आज इस कार्यक्रम में पहुंचे हैं 21 सूत्रीय मांगों के समर्थन में आप सब अधिक से अधिक संख्या में हरदा पधारे और हमारे जन क्रांति न्याय आंदोलन को सफल बनाएं। न्याय यात्रा का बड़ी संख्या में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं सर्व समाज के लोगों के माध्यम से भव्यता के साथ स्वागत किया गया जिनका भी करनी सेना परिवार दमोह द्वारा आभार माना गया। कार्यक्रम में संभागीय अध्यक्ष चंदू राजा, संभाग महामंत्री निहाल सिंह राजपूत, दमोह जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, जटाशंकर धाम दमोह के महंत मोनू पाठक, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मनु मिश्रा, सकल हिंदू समाज जिला अध्यक्ष कपिल सोनी, युवा जिला अध्यक्ष एवं रैकवार समाज के युवा प्रदेश अध्यक्ष मोंटी रैकवार, क्षत्रिय महासभा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजकिशोर राजू चौहान, कमल ठाकुर, दमोह जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेंद्र जीतू ठाकुर, राहुल चौराहा, धर्मवीर राजपूत, कथा व्यास कार्तिक वढगैया, संरक्षक कपिल सिंह तोमर, नगर अध्यक्ष राहुल राजपूत, समीर जैन, रोहित जैन, संदीप विश्वकर्मा, बसंत कुशवाहा, सैफखान, संगठन मंत्री टिंकू राजपूत, मीडिया प्रभारी महेंद्र राजपूत, शंकर गौतम, श्रवण पाठक, तुलसीराम तिवारी, संजय चौहान, आदित्य सिंह राजपूत, श्रवण जैन सहित बड़ी संख्या में करणी सेना परिवार के पदाधिकारियों एवं सर्व समाज के बंधुओ की उपस्थिति रही।

प्रथम पेज का शेष

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से.... अधिकार के खिलाफ है। केरल के अलावा तमिलनाडु और बंगाल भी एसआईआर के खिलाफ याचिका लगा चुके हैं। इंडियन मुस्लिम यूनियन लीग की याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एसआईआर के खिलाफ अब तक 10 याचिकाएं लग चुकी हैं। उत्तर प्रदेश में चल रही इसी प्रक्रिया को कांग्रेस के बाराबंकी से सांसद तनुज पूनिया ने चुनौती दी है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची को प्रभावित करने और चुनावी निष्पक्षता पर संदेह पैदा करने वाली है।

दिल्ली दुनिया का सबसे.... देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा था। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों में प्रदूषण और बढ़ सकता है। इसके साथ ही 22 नवंबर से कई इलाकों में एक्यूआई के गंभीर श्रेणी में पहुंचने का अनुमान है। विशेषज्ञों का कहना है कि 23 नवंबर को हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' स्तर में जा सकती है और इसके बाद लगातार छह दिनों तक राहत की उम्मीद नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने.... को दी गई है। जदयू नेता अशोक चौधरी को पहले की तरह इस बार भी ग्रामीण कार्य विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह जदयू नेता लेसी सिंह को भी पिछले कैबिनेट की तरह खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है। भाजपा नेता नितिन नवीन को पथ निर्माण एवं नगर विकास तथा आवास, जदयू नेता मदन सहनी को समाज कल्याण विभाग, भाजपा नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री राम कृपाल यादव को कृषि , केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के पुत्र और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) नेता संतोष कुमार सुमन को लघु एवं जल संसाधन , जदयू नेता सुनील कुमार को शिक्षा तथा विज्ञान , प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गयी है ।जदयू नेता मोहम्मद जमा खान को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंपा गया है। इसी तरह भाजपा के कोटे से संजय सिंह टाइगर को श्रम संसाधन, अरूण शंकर प्रसाद को पर्यटन और कला संस्कृति तथा युवा विभाग,सुरेन्द्र मेहता को पशु एवं मत्सय संसाधन, नारायण प्रसाद को आपदा प्रबंधन विभाग,पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग,लखेन्द्र कुमार रौशन को अनुसूचित जाति एवं अनूसचित जनजाति कल्याण विभाग,पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिवंगत दिग्विजय सिंह की पुत्री श्रेयसी सिंह को सूचना प्रावैधिकी एवं खेल विभाग, डा. प्रमोद कुमार को सहकारिता , पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की जिम्मेवारी दी गयी है।

मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए.... के साथ भूमि आवंटित की जा रही है। फेडरेशन के संयुक्त अध्यक्ष अखिलेश राठी ने कहा कि फेड एक्सपो के दूसरे संस्करण में 3 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए हैं। हमारा फेडरेशन एक प्रकार से चेंबर ऑफ चेंबर्स है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगीकरण के लिए तेजी से निर्णय लिए जा रहे हैं। कई बड़े-बड़े उद्योग समूह कहते हैं कि मध्यप्रदेश अब उनका च्वाइस डेस्टिनेशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बन चुका है। प्रदेश में हो रही इन्वेस्टमेंट समिट से न केवल बड़े बल्कि हर क्षेत्र के छोटे उद्योगों को भी लाभ मिला है।

रूस के स्मोलेन्स्क शहर की स्मोलेन्स्क चैम्बर ऑफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अर्किपेंकोव व्लादिमीर ने रशियन भाषा में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रूस और भारत अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करते हुए औद्योगीकरण, ऑटोमोबाइल, कृषि, अधोसंरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि इस एक्सपो के जरिए औद्योगिक, सांस्कृतिक और पर्यटन जैसे क्षेत्रों सहित विकास की संभावनाओं से जुड़े अन्य विषयों में प्रगति आएगी। एक्सपो में गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष विजय गौर, सचिव योगेश गोयल, सतना शहर के महापौर एवं ख्यात उद्योगपति योगेश ताम्रकार, सेज ग्रुप के संजीव अग्रवाल, सी.पी. मालपानी, आनंद बांगुर सहित अनेक उद्योगपति, उद्यमी, स्टार्ट-अप के ऑनर उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने मुख्यमंत्री और एक्सपो में पधारे तीन देशों के दलों एवं सभी उद्यमियों का आभार व्यक्त किया।

2 दिवसीय महाबोधि महोत्सव 29 से, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखेगी ऐतिहासिकता की झलक

सांची, देशबन्धु। विश्वप्रसिद्ध पर्यटन नगरी सांची में 29 एवं 30 नवम्बर को दो दिवसीय महाबोधि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। मप्र शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित यह भव्य आयोजन बुद्ध जम्बूद्वीप पार्क में होगा, जहां विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सांची की ऐतिहासिक गरिमा में नई आभा भरेंगी। सांची अपनी 2500 वर्ष पुरानी बौद्ध विरासत, महान स्तूप क्रमांक-1, अशोक कालीन धर्मचक्र और समूची मानव सभ्यता को शांति का संदेश देने वाले अशोक स्तंभ के लिए विश्वभर में जाना जाता है। यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित सांची सदियों से बौद्ध धर्म, करुणा और अहिंसा के उपदेशों की जीवंत प्रतीक रही है। इसी आध्यात्मिक पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला महाबोधि महोत्सव न केवल सांस्कृतिक विविधता का उत्सव है, बल्कि सांची की ऐतिहासिक आत्मा को फिर से अनुभव करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

महोत्सव कार्यक्रम में पहले दिन 29 नवम्बर को श्रीलंका के लोकनृत्य एवं गीत, भोपाल के कलाकारों द्वारा पंचशील की नृत्य-गायन प्रस्तुति, संघरत्ना बनकर, भोपाल द्वारा बुद्ध नाटिका, द साया बैण्ड द्वारा बौद्ध/भक्ति संगीत होगा। दूसरे दिन 30 नवम्बर को श्रीलंका के पारंपरिक लोकनृत्य और गीत इसके उपरांत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, जिसमें प्रसिद्ध कवि सूर्यकुमार पाण्डेय लखनऊ, स्वयं श्रीवास्तव उन्नाव, सुमित मिश्रा ओरछा, हिमांशी बाबरा, मनु वैशाली रायबरेली, दीपक शुक्ला भोपाल, अभिसार शुक्ला दिल्ली एवं चेतन चर्चित इंदौर अपनी प्रस्तुति देंगे।

सार-समाचार

सांसद ने पंचायत मंत्री से की सौजन्य भेंट की

सागर, देशबन्धु। सांसद लता गुड्डू वानखेड़े ने भोपाल प्रवास के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के निवास पर पहुंचकर उनसे सौजन्य भेंट की और उन्हें सागर लोकसभा क्षेत्र में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कराये जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी दी, साथ ही उन्होंने क्षेत्र में नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप नये विकास कार्यों की मांग भी रखी, मंत्री पटेल ने सांसद द्वारा प्रस्तुत जानकारी और सुझावों पर सकारात्मक रूख दिखाते हुये विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान ग्रामीण सड़के, सामुदायिक भवन निर्माण तथा रोजगार मूलक योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की।

एसआईआर सर्वे में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को किया सम्मानित

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त, सह अति. जिला निर्वाचन अधिकारी राजकुमार खत्री ने नगर निगम कार्यालय में एसआईआर सर्वे कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ रेशमा कोरी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पंतनगर मतदान क्र. 172 द्वारा 65.46 प्रतिशत, नेहा चौरसिया आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पुरव्याऊ मतदान क्र.151 द्वारा 72.82 प्रतिशत, परियोजना कार्यालय सागर शहरी 1, उर्मिला कोरी भाग संख्या 178 आंगनबाड़ी सहायिका काकागंज वार्ड केन्द्र क्र. 98 शहरी परियोजना क्र. 2 द्वारा 64.33 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर निगमायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के तहत संचालित एसआईआर सर्वे लोकतंत्र का उत्सव है, जिसमें हर मतदाता का सही पंजीकरण और जानकारी का सत्यापन अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीएलओ मतदान प्रक्रिया की रीढ़ होते हैं, जो प्रत्येक घर-घर जाकर नागरिकों तक चुनाव आयोग की योजनायें और प्रक्रियायें पहुंचाते हैं। ऐसे में उनका समर्पित कार्य लोकतंत्र की मजबूती का आधार बनता है। सम्मानित बीएलओ ने निगमायुक्त के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि यह सम्मान उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिये प्रेरित करेगा।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कल

मकरोनिया, देशबन्धु। भारतीय जैन संघटना चैप्टर मकरोनिया द्वारा इंदौर भोपाल एवं सागर के डॉक्टर की टीम द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देते हुये चैप्टर अध्यक्ष प्रसन्न जैन बंडा ने बताया कि कल 23 नवंबर रविवार को प्रात: 11 से दोपहर 2 बजे तक अंकुर कॉलोनी विद्या भवन से आयोजित किया जा रहा है जिसमें डॉ. विशाल जैन एमडी मेडिसिन, डॉ. गर्वेश मोदी, नेत्ररोग विशेषज्ञ, डॉ. गौरव प्रजापति हड्डी रोग, डॉ. सर्वेश जैन मनोरोग चिकित्सा, डॉ. खुशबू यादव, नाक कान गला विशेषज्ञ अपनी सेवायें देंगे।

डॉ. हरीसिंह गौर एशिया के पहले दानवीर जिन्होंने पूरी निजी कमाई विवि बनाने दान में दीः भूपेन्द्र सिंह

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरी सिंह गौर सागर के लिये भगवान का रूप थे। मैं आज जो भी हूं तो उनके कारण ही हूं। उन्होंने लाखों युवाओं का भविष्य बना दिया। डॉ. गौर एशिया के ऐसे एक मात्र दानवीर हैं जिन्होंने अपनी निजी कमाई से अर्जित संपत्ति को दान करके ऐसा विवि स्थापित किया जिसने पिछड़े बुंदेलखंड क्षेत्र के लाखों गरीबों को शिखर तक पहुंचने योग्य बनाया। यह उद्गार पूर्व मंत्री, विधायक भूपेन्द्र सिंह ने डॉ. हरी सिंह गौर की 156 वीं जयंती पर आयोजित गौर उत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। पूर्व मंत्री सिंह ने कहा कि डॉ. गौर डॉ. हरीसिंह गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी सागर के संस्थापक के अलावा दिल्ली व नागपुर विश्वविद्यालयों के भी कुलपति थे। उनकी पहल से भारत में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना हुई। उनकी कोशिशों से भारत में महिला वकीलों को अदालतों में प्रैक्टिस करने की अनुमति मिली। वे संविधान निर्माण समिति के सदस्य थे और उस दौर के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आठ वकीलों में उनका नाम शामिल था। वे श्रेष्ठ विधिवेत्ता थे जिनकी लिखी कानून की पुस्तकों को आज भी लंदन के ला कालेजों में पढ़ाया जाता है। उनके बनाये हिंदू मैरिज एक्ट के कारण महिलायें ऐसे केसों में जेल जाने से बचीं। डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न की उपाधि बहुत पहले ही मिल जाना चाहिये थी। पूर्व में भाजपा सरकार ने इस आशय का प्रस्ताव पास करके केंद्र सरकार को भेजा था। उन्होंने कहा कि जब मैं विवि में पढ़ने पहुंचा था तब उस समय 25 प्रतिशत विदेशी छात्र अध्ययन के लिये सागर यूनिवर्सिटी आते थे। उन्होंने कहा कि इस विवि का बायलाज अभी तक नहीं बना है जिसमें यह प्रावधान किया जाना चाहिये कि विवि की 50 प्रतिशत सीटों पर मप्र व बुंदेलखंड के छात्रों को एडमीशन दिया जायेगा।

कुलगुरू प्रो. वायएस ठाकुर ने अपने संबोधन में सभी संबद्ध महाविद्यालयों से पधारे विद्यार्थियों का स्वागत करते हुये युवाओं की भूमिका, एनसीसी के महत्व तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नेशनल कैडेट कोर केवल एक प्रशिक्षण इकाई नहीं है, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने अध्यक्षता की एवं मुख्य अतिथि खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह ठाकुर, गौर उत्सव समन्वयक प्रो. आशीष वर्मा, डॉ. एनपी सिंह, डॉ. आशीष पटेरिया एवं कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय मंचासीन थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में टाइम्स कॉलेज, दमोह ने कृष्ण रासलीला आरएलएम कॉलेज, खुरई ने समूह नृत्य, पं बृजकिशोर पटैरिया महाविद्यालय मालथौन ने बस्तर नृत्य, विद्यादेवी आर्केस्ट्रा कॉलेज जुन्नारदेव ने लोकनृत्य ग्रुप डांस, सुन्दरलाल श्रीवास्तव कॉलेज मकरोनिया ने समूह नृत्य, ठा. फेरन सिंह कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय शाहपुर ने समूह नृत्य, ऐरीसेन्ट कॉलेज ऑफ ऐजूकेशन बीना ने नृत्य नारी शक्ति, लिटिलस्टेप कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टक्नोलॉजी बोरगांव सौसर ने मराठी नृत्य चंदा, ओमश्री महाविद्यालय सागर ने सेमीक्लासीकल फ्री स्टाईल डांस, पं. बीबीएम कॉलेज बीना ने ग्रुप डांस, टाइम्स कॉलेज दमोह ने सामूहिक नृत्य, आरएलएम कॉलेज खुरई ने एकल नृत्य समूह, पं. बृजकिशोर पटैरिया महाविद्यालय मालथौन ने स्किट मोबाइल से दूरी, लिटिलस्टेप कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टक्नोलॉजी बोरगांव सौसर ने हिन्दी ग्रुप डांस, पं. बृजकिशोर पटैरिया महाविद्यालय, मालथौन ने बधाई नृत्य आदि महाविद्यालयों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी। संचालन प्राचार्य डॉ. अवनीश मिश्रा ने किया एवं आभार डॉ. अजय श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विवि के संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक, अधिकारी कर्मचारियों सहित नगर के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विज्ञान रथ और गजरथ फेरी के साथ सिरोंजा पंचकल्याणक का समापन

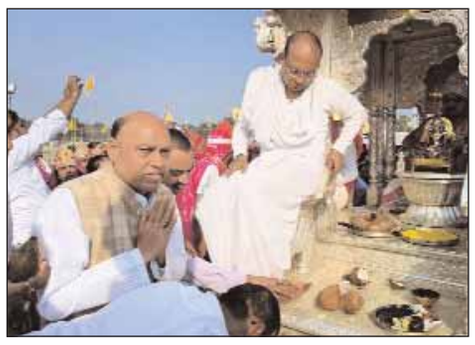

सागर, देशबन्धु। सिरोंजा स्थित शांतिधाम में नवनिर्मित शांतिनाथ जिनालय के पंचकल्याणक जिनबिंब प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन पर शुक्रवार को विज्ञान रथ के साथ ही गजरथ फेरी निकाली गई। पट्टाचार्य विशुद्ध सागर के ससंघ सानिध्य में सुबह मोक्ष कल्याणक पर स्थापना संस्कार, देव स्थापना, शिखर कलश रोहण, ध्वजारोहण और शांति हवन संपन्न हुआ। दोपहर में फेरी ऐरावत हाथी के साथ विज्ञान रथ के साथ शुरु हुई। जिसमें 18 ब्रह्मकुमारियां और बच्चे नृत्य करते चल रहे थे। सौधर्म इंद्र रथ पर श्रीजी को लेकर विराजमान हुये। कुबेर धन वर्षा कर रहे थे। प्रात: कालीन कार्यक्रमों में पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, विधायक प्रदीप लारिया ने आचार्य श्री श्रीफल भेंट कर आर्शीवाद प्राप्त किया। महोत्सव में मुख्य यजमान एवं आयोजक संतोष जैन घड़ी, गुणमाला जैन, भगवान के माता-पिता सुरेंद्र कुमार जैन, शीला जैन, सौधर्म इंद्र डॉ. सतेंद्र जैन, रिचा जैन, कुबेर संदीप जैन, सौरभ जैन, महेंद्र जैन बलेह व अन्य प्रमुख पात्र इंद्र-इंद्राणी सहित बड़ी संख्या में धर्मावलंबी सम्मिलित हुये।

ग्राम पापेट में मस्जिद की नींव की खुदाई के दौरान मिली मूर्तियों से हंगामा, जांच करेगा पुरातत्व विभाग

बण्डा, देशबन्धु। बण्डा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पापेट में शुक्रवार को उस समय स्थिति गर्मा गई, जब मस्जिद परिसर में कमरों के पुनर्निर्माण के दौरान नींव की खुदाई में कुछ प्राचीन आकृतियां मिलने की सूचना फैल गई। ग्रामीणों ने इन आकृतियों को भगवान राम-सीता की मूर्तियां बताते हुये मौके पर पूजा अर्चना शुरू कर दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग व हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता पापेट पहुंच गये। भीड़ बढ़ने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाइश देकर स्थिति शांत कराई। अधिकारियों ने मामले की जानकारी पुरातत्व विभाग को दे दी है। प्रशासन का कहना है कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि ये आकृतियां किस काल की हैं और वास्तव में मूर्तियां हैं या साधारण पत्थर। ग्रामीणों के अनुसार मस्जिद परिसर में निर्माण कार्य चल रहा था, तभी मजदूरों को खुदाई के दौरान कुछ नक्काशीदार पत्थर मिले। मजदूरों ने इसकी जानकारी गांव में दी, जिसके बाद लोग मौके पर जुटने लगे। कई लोगों ने पत्थरों को चबूतरे पर रखकर पूजा अर्चना शुरू कर दी। मस्जिद प्रबंधन के सगीर खान का कहना है कि परिसर में खुदाई के दौरान कोई मूर्ति नहीं मिली, बल्कि निर्माण सामग्री से जुड़े चंदेली पत्थर निकले हैं। पास के बने पुराने पत्थरों की खदरियों से यह सामग्री निकलती रहती है। कुछ लोगों ने इन्हें मूर्ति बताकर पूजा शुरू कर दी है, मामले की जांच आवश्यक करेंगे। उनके अनुसार लगभग 200 वर्ष पूर्व यह जमीन मस्जिद को दी गई थी। शाहगढ़ एसडीएम नवीन ठाकुर ने बताया कि खुदाई में मिले पत्थरों आकृतियों की जांच पुरातत्व विभाग करेगा। पुलिस अभिरक्षा में इन्हें सुरक्षित रखवाया गया है। उन्होंने कहा कि मस्जिद परिसर में फिलहाल निर्माण कार्य रोक दिया गया है, जब तक जांच पूरी नहीं होती कोई कार्य नहीं होगा, गांव में फिलहाल स्थिति सामान्य है, लेकिन प्रशासन किसी भी संभावित तनाव को देखते हुये सतर्क है।

विधायक ने सीएम के बण्डा प्रवास को बताया ऐतिहासिक अवसर

बण्डा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 23 नवम्बर को प्रस्तावित बण्डा प्रवास को लेकर विधायक वीरेंद्र सिंह ने नवनिर्मित विधायक कार्यालय बांदरी रोड हेलीपैड पर पत्रकार वार्ता आयोजित की। स्थानीय पत्रकारों की उपस्थिति में विधायक ने आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुये इसे क्षेत्र के लिये ऐतिहासिक अवसर बताया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बण्डा आकर शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही वे क्षेत्र की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की सौगात भी प्रदान करेंगे, उन्होंने पत्रकार साथियों को कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी देते हुये बताया कि मुख्यमंत्री का यह दौरा न केवल बण्डा के लिये गौरव का विषय है बल्कि इससे आमजन को विकास की नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर कृषि उपज मंडी एवं हेलिपैड स्थल का किया निरीक्षण

बण्डा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 23 नवंबर को प्रस्तावित बण्डा दौरा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम को सफल व भव्य बनाने के उद्देश्य से दमोह सांसद राहुल लोधी एवं बण्डा विधायक वीरेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को कृषि उपज मंडी परिसर तथा हेलिपैड स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा बण्डा क्षेत्र के लिये विकास के नये मार्ग खोलने वाला सिद्ध होगा, इसलिये व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष लोकेन्द्र सिंह, विवेक मिश्रा, महेन्द्र महूंना, मंडल अध्यक्ष रुपेश रोशन खरे, बाबूसिंह मुडिया, पन्ना ठाकुर, पीडी राठौर सहित प्रशासनिक अमले से अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा, एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव एसडीओपी प्रदीप बाल्मीकि, थाना प्रभारी अंजली उदैनिया उपस्थित रहे।

भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्वाधान में पदयात्रा आज

सागर, देशबन्धु। भगवती मानव कल्याण संगठन के तत्वाधान में नगर में आज नशा मुक्ति सद्भावना पदयात्रा होने जा रही है जिसमें भगवती मानव कल्याण संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष पूजा शुक्ला एवं भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय महासचिव अजय अवस्थी सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को नशा मुक्त बनाना है संगठन के प्रयासों से सागर संभाग में 20,000 से अधिक लोगो को नशा मुक्त किया जा चुका है एवं 600 गांवो में पूर्णत: शराब बंदी लागू की जा चुकी हैं। इसी उपलक्ष्य में इमानुएल स्कूल, पीली कोठी, सिविल लाइन चौराहा, आईजी ऑफिस, तहसील, गोपालगंज, बस स्टैंड होते हुये बड़े बाजार, तीनबत्ती, कटरा मस्जिद होते हुये राधा तिराहा से मंडी डिंपल पैट्रोल पंप से इमानुएल स्कूल ग्राउंड में समापन किया जायेगा जिसमें हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित होंगे।

श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर वाहन रैली और कीर्तन का आयोजन

सागर, देशबन्धु। सिख गुरु श्री तेग बहादुर के 350 शताब्दी शहीदी दिवस पर अनेक आयोजन किये जायेंगे। शहीदी दिवस पर 23 नवंबर को वाहन रैली और 22 से 25 नवंबर तक कविता, शब्द कीर्तन श्री गुरुद्वारा भगवानगंज में आयोजित किये जायेगे। श्री गुरुसिंघ सभा सागर ने सभी से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। विहिप के जिलाध्यक्ष अजय दुबे, गुरु सिंघ सभा के प्रधान सतविंदर सिंह होरा, जितेंद्र सिंह चावला, जस्सी सरदार और हिन्दू मंच के डॉ. उमेश सराफ ने शुक्रवार को मीडिया से चर्चा की और श्री तेग बहादुर सिंह की शहीदी को याद करते हुये नमन किया। विहिप के अजय दुबे ने कहा कि हिंदू सिख सभी एक ही है। हम सभी गुरु तेग बहादुर सिंह और उनकी शहादत को नमन करते है। जितेंद्र सिंह चावला ने कहा कि सिख गुरुओं की शहादत से भारत धर्म निरपेक्ष बना है। प्रधान सतविंदर सिंह होरा ने कार्यक्रम की जानकारी दी। 23 नवंबर को वाहन रैली निकाली जायेगी जो दोप. 2.30 बजे से शुरू होगी। रैली गुरुद्वारा गुरू अमर दास नगर भैंसा से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई शाम 6 बजे गुरुद्वारा श्री गुरूसिंघ सभा भगवानगंज पहुंचेगी। आज हिन्द की चादर गुरु तेग बहादर पर केंद्रित बच्चो का विशेष कार्यक्रम कविता, शबद कीर्तन शाम 6 बजे से होगे। कल 350 साला शताब्दी श्री गुरुगोविन्द सिंह के गुरिआयी दिवस को समर्पित कीर्तन दीवान होगा। प्रात: 8.30 बजे समाप्ति श्री अखंड पाठ साहिब, प्रात: 9 से 11 बजे तक एवं शबद कीर्तन आतमजीत सिंह अमृतसर द्वारा उपरांत अरदास एवं हुकुमनामा दोप. 11.15 बजे समाप्ति उपरांत गुरू का लंगर वरतेगा। रात्रि 7.30 बजे संध्या दा दीवान रात्रि 8 से 9 बजे तक शबद कीर्तन आतमजीत सिंह द्वारा किया जावेगा। 24 नवंबर सोमवार को कीर्तन दीवान प्रात: 8 बजे से 9 बजे तक शबद कीर्तन ज्ञानी गुरूवचन सिंह हजूरी रागी प्रात: 9 से 10.30 बजे तक एवं शबद कीर्तन आतमजीत सिंह द्वारा किया जावेगा। रात्रि 7 बजे संध्या दा दीवान रात्रि 8 से 9 बजे तक। 25 नवंबर मंगलवार को भाई मतिदास, भाई सतिदास और भाई दयाला के शहीदी दिवस को समर्पित कीर्तन दीवान प्रात: 8.30 बजे समाप्ति श्री अखंड पाठ साहिब प्रात: 9 से 10 बजे आरती एवं शबद कीर्तन हजूरी रागी जत्था ज्ञानी गुरुवचन सिंह द्वारा प्रात: 10 बजे से दोप 12 बजे शबद कीर्तन आतमजीत सिंह द्वारा उपरांत अरदास एवं हुकुमनामा होगा।

बीएलओ ईएफ फॉर्म मतदाता के सामने ही भरे: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बूथ लेवल अधिकारियों से लगातार संपर्क में रहे, बीएलओ ईएफ फॉर्म मतदाता के सामने ही भरे, मैपिंग वाले गणना पत्रक को पहले डिजिटाइजेशन करें। उक्त निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जीआर ने मतदान केंद्रवार एसआईआर सर्वे की समीक्षा करते हुये दिये। उन्होंने कहा कि समस्त निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लगातार फील्ड में रहकर बीएलओ से संपर्क करें एवं उनको आ रही समस्याओं का निराकरण करें। जिन बूथ लेवल अधिकारियों को समस्या आ रही है उनके साथ अतिरिक्त सहायक नियुक्त करें जिससे कार्य में प्रगति आयेगी। कॉलेज एवं विद्यालयों में जाकर भी विद्यार्थियों को जागरूक करें। जिन बूथ लेवल अधिकारी एवं सुपरवाइजर की प्रगति नहीं आ रही है उन पर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही करें। इस अवसर पर सीईओ विवेक केवी, अपर कलेक्टर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश रावत सहित समस्त निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद थे।

पाप करने वाला पापी और पाप होते हुये देखकर भी मौन रहने वाला महापापी: इंद्रेश उपाध्याय

सागर, देशबन्धु। श्री सिद्ध क्षेत्र बालाजी मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिवस कथा व्यास इंद्रेश उपाध्याय ने कहा कि स्वप्न हमारी चित्त के भावों का दर्पण होते हैं। उन्होंने भक्त शिरोमणि मीरा बाई के जीवन प्रसंग सुनाते हुये बताया कि विवाह के पश्चात भी मीरा ने ठाकुर जी को ही अपना सर्वस्व माना। गोविंद मेरो है, गोपाल मेरो है भजन की प्रस्तुति पर पूरा पंडाल भक्ति रस में सराबोर हो उठा। कथा व्यास ने महाभारत प्रसंग का उल्लेख करते हुये कहा कि युधिष्ठिर के शासन काल में हुये जुये के खेल और द्रौपदी अपमान पर सभा में मौन रहने वाले सभी जन अधर्म के सहभागी बने। जब भीम ने दुर्योधन की जांघ पर प्रहार किया तो इसे अधर्म कहा गया, किन्तु उसी सभा में द्रौपदी को निर्वस्त्र करने के प्रयास पर किसी ने आपत्ति नहीं जताई। श्रीकृष्ण ने बलराम को समझाते हुये कहा पाप करने वाला पापी है और पाप होते देख भी मौन रहने वाला महापापी। उन्होंने भीष्म पितामह और गांधारी के उदाहरण देते हुये कहा कि धार्मिक बनना ही पर्याप्त नहीं है, अपने भीतर अधर्म के भावों को जन्म ही न लेने देना ही सच्चा धर्म है। द्रौपदी ने पांच मुख्य गुणों निष्कपटता, समता, धैर्य, परोपकार और संयम कृ का संदेश दिया। कुंती, कर्ण और अर्जुन भगवान के प्रिय पात्र। उत्तरा के गर्भ पर अश्वत्थामा द्वारा छोड़े गये अस्त्र का उल्लेख करते हुये कहा गया कि उसी गर्भ से जन्म लेने वाले बालक का नाम आगे चलकर परीक्षित हुआ, जिनके कारण आज यह पावन कथा संसार में प्रसारित है। ठाकुर जी को महाभारत के तीन पात्र कुंती, कर्ण एवं अर्जुन अत्यंत प्रिय हैं उन्होंने उदाहरण दिया कि कठपुतली को चलाने वाला संचालक यदि खुद सामने आ जाये तो नाटक का आनंद समाप्त हो जाये। हम सभी कठपुतली हैं, संचालक भगवान हैं और हमारे बीच माया का पर्दा है। मुख्य अजमान अनुश्री शैलेंद्र जैन ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा की चतुर्थ दिवस आज दोपहर 2 बजे से भव्य श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जायेगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से भव्य उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया। मीडिया प्रमुख श्रीकांत जैन ने बताया की तृतीय दिवस में संध्या कालीन आरती के दौरान गुरु सिंह सभा के सदस्यों ने कथा व्यास के दर्शन कर उन्हें तलवार भेंट की। श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस पूर्व मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह, विधायक रामेश्वर शर्मा, भाजपा नेता विनोद गोटिया, विधायक निर्मला सप्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, नारायण कबीरपंथी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रक्तदान मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के संस्थापक दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 156 वें जन्म दिवस को लेकर गौर उत्सव मनाया जा रहा है। उत्सव के तहत विवि में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विवि के विद्यार्थी, स्टाफ समेत अन्य ने 175 यूनिट से अधिक रक्तदान किया। रक्त को जिला अस्पताल के ब्लड बैंक भेजा गया है। जिससे जरूरतमंदों का इलाज किया जा सके। डॉ. अभिषेक कुमार जैन ने बताया कि इस शिविर में विवि के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। विशेष रूप से छात्राओं की सहभागिता सर्वाधिक रही। जिसने इस आयोजन को अनूठी ऊर्जा प्रदान की। कार्यक्रम में प्रस्ताव रखा गया कि गौर जयंती पर प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाये। ताकि समाजसेवा की यह श्रृंखला निरंतर जारी रहे। कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि रक्तदान समाज सेवा का सर्वोच्च दान है। जिस प्रकार हम वृद्ध जनों की सेवा को पुण्य मानते हैं। उसी प्रकार रक्तदान भी मानवता के लिये अनमोल योगदान है। कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने कहा कि रक्तदान मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक है, विवि न केवल शिक्षा का केंद्र है। बल्कि समाज सेवा के नये मानक स्थापित करने का भी माध्यम है। उन्होंने घोषणा की कि हर वर्ष गौर जयंती पर रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा। ताकि यह परंपरा लगातार आगे बढ़ती रहे। कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र दिये गये। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुये।

गौर उत्सव के तीसरे दिन पर टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के 156 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गौर उत्सव के अंतर्गत विवि के अब्दुल गनी स्टेडियम स्थित टेबल टेनिस परीक्षण एरिना में टेबल टेनिस प्रतियोगिता अपने दूसरे दिन रोमांचक मुकाबलों के साथ संपन्न हुई। दूसरे दिन खेले गये मुकाबलों में सभी सेमीफाइनल खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल का परिचय दिया और दर्शकों से खूब सराहना प्राप्त की। कोर्ट पर खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्साह, फुर्ती और रणनीति का बेहतरीन मिश्रण रहा। डबल्स वर्ग में शानदार तालमेल और सटीक स्ट्रोक्स का प्रदर्शन करते हुये महेंद्र बाथम और डॉ. मनोज जैन कप्तान ने जीत अपने नाम की। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही मैच में बढ़त बनाये रखी और निर्णायक क्षणों में मजबूत खेल दिखाते हुये प्रतियोगिता जीत ली। सिंगल्स मुकाबले में डॉ. मनोज जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये 11-3 से जीत अपने नाम की। इस अवसर पर खेल परिसर के निदेशक डॉ. विवेक बी साठे उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विवि में खेल गतिविधियों का विस्तार विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों दोनों के लिये प्रेरणादायी कदम है।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।